भोपाल, बुधवार
19 मार्च 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 अंक-202 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

@खबर संक्षेप

शिवराज ने प्रियंका गांधी के हर सवाल का दिया उत्तर

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान मंगलवार को लोकसभा में प्रियंका गांधी वाड्रा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच सवाल जवाब का दौर दिखा। प्रियंका गांधी ने वायनाड में प्राकृतिक आपदा के बाद स्थानीय किसानों से जुड़ा सवाल कृषि मंत्री चौहान से पूछे। इसके जवाब में कृषि मंत्री चौहान से साफ कर दिया कि पीएम

मोदी और केंद्र सरकार किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं करती है। उन्होंने आंध्र प्रदेश का उदाहरण देकर कहा कि दिक्कत हुई तब मैं खुद वहां गया था। लोकसभा में प्रियंका गांधी ने पूछा कि विदर्भ पैकेज के दौरान केरल के तीन जिलों को भी जोड़ा गया। वायनाड़ में आई प्रलह को देखकर क्या मंत्रालय वायनाड़ को लेकर कोई स्पेशन रिव्यू करने जा रहा है। इसके अलावा केरल के रबड़ किसान की परेशानियों को देखकर केंद्र कोई कदम उठा रही है। मिर्ची के दामों में उथल-पुथल को देखकर मंत्रालय के पास कोई प्रियंका के सवालों को जबाव देने के लिए कृषि मंत्री चौहान खड़े हुए। उन्होंने कहा कि किसान किसान हैं, चाहे केरल का हो या कर्नाटक का।

सीएम राइज स्कूल में बच्चों के प्रवेश के लिए उमड़े अभिभावक

सीहोर। जिले के सीएम राइज स्कूल में बच्चों का दाखिला कराने के लिए अभिभावकों की भीड़ उमड़ रही है। भैरुंदा के सीएम राइज स्कूल में केजी-वन में बच्चों का प्रवेश कराने के लिए अभिभावकों में होड़ मची है। कक्षा केजी-वन में प्रवेश के लिए 30 सीटें खाली हैं, जबकि एडमिशन के लिए पहले दिन ही

50 आवेदन पत्र वितरित हो गए। जबकि, आवेदन प्रक्रिया 29 मार्च तक चलनी है। दअरसल, जिले के भैरुंदा स्थित सीएम राइज स्कूल में सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लगातार तीसरे वर्ष सीएम राइज विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षा पद्धति से अभिभावक प्रसन्न नजर आ रहे हैं। विद्यालय की लोकप्रियता और उसकी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग का नतीजा यह है कि हर मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे का प्रवेश सीएम राइज में कराने के लिए उत्सुक नजर आ रहा है। इसका नजारा प्रवेश प्रक्रिया के पहले दिन संस्थान पर आवेदन पत्र के वितरण के दौरान देखने को मिला।

नागपुर में कब्र की चादर जलाने की अफवाह पर भड़की हिंसा

मुंबई। नागपुर में भड़की हिंसा को लेकर महाराष्ट्र विधानसभा में मंगलवार को हंगामा हुआ। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस हिंसा को एक सुनियोजित साजिश बताते हुए कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। इस दौरान उन लोगों ने प्रतीकात्मक तौर पर कब्र की चादर जला दी। इसके बाद अफवाह फैल गई कि उस पर धार्मिक चिह्न था, जिससे माहौल गर्म हो गया और हिंसा भड़क उठी। सीएम फडणवीस ने कहा

कि करीब 80 से 100 लोगों की भीड़ हिंसा में शामिल थी, जिन्होंने पथराव किया और पुलिस अधिकारियों पर हमला कर दिया। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया, वहीं तीन डीसीपी स्तर के अधिकारियों पर भी हमला हुआ। हिंसा में कुछ घरों को भी निशाना बनाया गया। सीएम ने कहा कि यह हिंसा एक अफवाह के चलते फैली, जिसमें कहा गया कि जो चादर प्रतीकात्मक कब्र पर रखी थी, उसमें धार्मिक चिन्ह था। इस अफवाह ने विवाद को हवा दे दी। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी कानून हाथ में नहीं ले सकता।

ग्लोबल स्किल्स पार्क के युवाओं को मिले एक से अधिक कंपनियों से नौकरी के अवसर

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के एडवांस्ड प्रिसिजन इंजीनियरिंग के एक वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं। कई छात्रों को एक से अधिक कंपनियों से ऑफर प्राप्त हुए, जिससे उनकी करियर संभावनाएं और सशक्त हुई हैं। इस उपलब्धि के तहत, 49 छात्रों को JBM Group, MSME, Harsha Engineering जैसी नामी कंपनियों में नियुक्ति मिली है। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने नियुक्ति पत्र वितरित किये। राज्य मंत्री टेटवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, सही मार्गदर्शन और परिश्रम से आप हर ऊंचाई प्राप्त कर सकते हैं। आज का युवा केवल नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला भी बने और देश की प्रगति में अपना योगदान दे। समारोह में टेक्निकल एजुकेशन कमिश्नर अवधेश शर्मा और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. कल्पेश वांड्रा, संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरीश शर्मा, सीनियर डायरेक्टर शमीम उद्दीन, छात्र, शिक्षक और प्रतिष्ठित उद्योगों के अतिथि उपस्थित रहे।

सुनीता विलियम्स की घर वापसी, अंतरिक्षयान में हुईं सवार

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी का इंतजार अब समाप्त होने वाला है। वह अपने साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विलमोर के साथ स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन अंतरिक्षयान में सवार हो गई हैं, जो कुछ ही समय में पृथ्वी के लिए रवाना होगा। नासा के

अनुसार, यह यान अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से अलग होकर मंगलवार शाम 5 : 57 बजे (अमेरिकी समयानुसार) फ्लोरिडा के समुद्र में स्प्लैशडाउन करेगा। भारतीय समयानुसार, यह बुधवार तड़के करीब 3 बजे होगा। नासा ने इस महत्वपूर्ण मिशन की लाइव ब्रॉडकास्टिंग भी शुरू कर दी है। नारा ने जानकारी देते हुए बताया है कि सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर के साथ नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और अलेक्जेंडर गोर्बुनोव भी इस अंतरिक्ष यान में सवार होंगे। इनका 17 घंटे लंबा सफर 19 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 3-27 बजे फ्लोरिडा के तट पर स्प्लैशडाउन के साथ समाप्त होगा। सुनीता और बुच विलमोर का मिशन पिछले साल जून में शुरू हुआ था।

महाकुंभ में विश्व ने देखा भारत का विराट स्वरूप: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में महाकुंभ पर वक्तव्य दिया और इसके सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश की जनता का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में हुए महाकुंभ ने भारत की राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक विरासत को एक नई ऊंचाई दी है।

संसद के चालू बजट सत्र के दूसरे चरण में मंगलवार को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं प्रयागराज महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से संपूर्ण देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं, जिनके कारण महाकुंभ का यह सफल आयोजन हुआ। वहीं उन्होंने उत्तर प्रदेश व प्रयागराज की

जनता को धन्यवाद दिया और सरकार, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं की भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संपूर्ण विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। यह जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित आयोजन था, जिसने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन कराए। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि गंगा जी को धरती पर लाने के लिए अथक प्रयास लगा था। वैसा ही महाप्रयास महाकुंभ आयोजन के समय हमने देखा।

राज्यपाल संतोष गंगवार की पीएम नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट

झारखण्ड। झारखंड के माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों गणमान्य व्यक्तियों के बीच राज्य के विकास, प्रशासनिक सुधारों और विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल महोदय ने प्रधानमंत्री को झारखंड की वर्तमान परिस्थितियों की जानकारी देते हुए राज्य में चल रही विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इस भेंट को राज्य के व्यापक हितों की दिशा में एक सकारात्मक संवाद के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल गंगवार ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री को राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' की एक प्रति भी भेंट की।

मप्र ने कृषि में किए कई नवाचार, इसलिए देश में है अव्वल: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीन साल में 30 लाख किसानों को दे देंगे सोलर पम्प, किसानों से बिजली भी खरीदेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की उर्वर धरा में खेती-किसानी लाभ का व्यवसाय है। हमने इसी दिशा में काम किया। नई कृषि विधियों को अपनाया, कई नवाचार किए। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश कृषि विकास के मामले में पंजाब, हरियाणा और अन्य कई राज्यों से आगे निकलकर देश में अव्वल स्थान पर है। हम खेती-किसानी और किसान दोनों की समृद्धि के लिए प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नेशनल डिफेंस कॉलेज की ओर से मध्यप्रदेश आए अध्ययन यात्रा दल को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं सहकारिता में मध्यप्रदेश में बीते दशकों में लगातार काम हुआ है। खेती के साथ-साथ सिंचाई पर भी हमने काम किया है। वित्त वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में मात्र 7 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित थी। आज मध्यप्रदेश की 55 लाख से अधिक कृषि हेक्टेयर भूमि को हम सिंचित क्षेत्र में लेकर आए हैं।

हम किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। अगले तीन सालों में हमारी सरकार प्रदेश के 30 लाख किसानों को न केवल सोलर पम्प देगी, वरन् उनके द्वारा उत्पादित अतिरिक्त सोलर ऊर्जा का क्रय भी करेगी। इससे किसानों को दोहरा फायदा होगा। इसके अलावा हम किसानों को मात्र 5 रूपए की राशि पर बिजली कनेक्शन भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा के मामले में भी आगे है। देश में सबसे सस्ती बिजली देने वाला प्रदेश मध्यप्रदेश है।

सिंहस्थ तक महाकाल लोक की तरह जगमगाएगा ओंकारेश्वर धाम: सीएम

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के नेतृत्व में मध्य प्रदेश धार्मिक प्रदेश बनता जा रहा है। सरकार एक के बाद एक सभी धार्मिक स्थलों को नए स्वरूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने आज ओंकारेश्वर में नर्मदा परिक्रमा के समापन अवसर पर कहा कि ओंकारेश्वर धाम भी सिंहस्थ तक महाकाल लोक की तरह जगमगाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धनराशि का प्रबंधन किया है प्रदेश के सभी देवस्थान, जहां से लोगों की आस्था जुड़ी है, उनके प्रबंधन की दृष्टि से लगातार ध्यान दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य है कि हमारे प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग मौजूद हैं। बाबा महाकाल और ओंकारेश्वर के साथ बाबा ममलेश्वर। हम इनकी पर्याप्त व्यवस्था कर रहे हैं सीएम डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रयास है कि सिंहस्थ 2028 में ओंकारेश्वर धाम भी महाकाल की तरह जगमगाए इसी लक्ष्य के साथ प्रबंधन और व्यवस्था की जा रही हैं, ताकि धार्मिक श्रद्धालुओं को किसी तरह का कोई कष्ट न हो हमें उम्मीद है कि हमारे प्रयास, व्यवस्था और प्रबंधन बहुत अच्छे परिणाम लेकर आएंगे।

राजधानी जमीन के भाव 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के प्रस्ताव का विरोध जारी

आज तक दर्ज कर सकते हैं आपत्ति

भोपाल। राजधानी भोपाल में कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 का ड्राफ्ट संपदा 2.0 की वेबसाइट पर ऑनलाइन जारी किया गया। इसके अनुसार भोपाल के 2,887 लोकेशन में औसतन 18 प्रतिशत रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव आने के बाद जहां आम जनता इसका विरोध कर रही है वहीं पक्ष-विपक्ष के नेता भी इस पर कड़ा एतराज जाता रहे हैं।

आम नागरिक अपनी आपत्तियां और सुझाव 19 मार्च की शाम 5 बजे तक कलेक्टर कार्यालय, वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय और आईएसबीटी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन भी अपने सुझाव एवं आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

प्रभारी मंत्री-विधायकों से मिले क्रेडाई सदस्य

मामले में मंगलवार को क्रेडाई सदस्यों ने प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, मंत्री कृष्णा गौर और विधायक भगवानदास सबनानी से मुलाकात की। कहा कि यह प्रस्ताव जनता पर बोझ डालेगा। इसलिए गाइडलाइन पर रोक लगाई जाए। प्रभारी मंत्री काश्यप एवं जिला मूल्यांकन समिति के सदस्य सबनानी ने गाइडलाइन दरों की मूल्यांकन प्रणाली की पारदर्शिता, वर्षवार दरों और उपबंधों के क्लीन डेटा एक्सेस, स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा विश्लेषण की मांग को उचित बताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित कर समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

आधार कार्ड से लिंक होगा मतदाता पहचान पत्र

केंद्रीय गृह सचिव और मुख्य चुनाव आयुक्त की बैठक में हुआ फैसला

नई दिल्ली। अब मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में यह फैसला लिया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार ही किया जाएगा। कहा गया कि इस संबंध में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ जल्द ही आगे की चर्चा करेंगे।

संविधान में भी वोटर आईडी को आधार से जोड़ने का प्रावधान है।बताया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23, जिसे चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 कहा जाता के मुताबिक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मौजूदा या भावी मतदाताओं से स्वैच्छिक आधार पर पहचान स्थापित करने के लिए आधार संख्या प्रदान करने की मांग कर सकते हैं। यह कानून मतदाता सूची को आधार डाटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है।

ओडिशा का बौध देश का सबसे गर्म इलाका, तापमान पहुंचा 43.5 डिग्री

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। ओडिशा में गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है, और बौध जिला सोमवार को भी देश का सबसे गर्म स्थान रहा। यहां तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, राज्य का बरगढ़ जिला 42 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरा और आंध्र प्रदेश का कुर्नूल 41.3 डिग्री सेल्सियस के साथ तीसरा सबसे गर्म स्थान रहा। मौसम विभाग के अनुसार, ओडिशा के नौ जिलों में तापमान 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी जारी

दूसरी ओर, हिमाचल प्रदेश में ठंड का दौर जारी है। 1 मार्च से 17 मार्च तक प्रदेश में 75.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, मंगलवार को राज्य में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन बुधवार से फिर बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होने की संभावना है। रविवार शाम से कल्पा में 17.9 सेमी, सांगला में 8.6 सेमी और गोंडला में 1 सेमी बर्फबारी दर्ज की गई। मंडी जिले के कुछ हिस्सों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी घटकर 800 मीटर रह गई।

फैसला — मां और बहन को चार साल का कारावास

मासूम से दुष्कर्म करने वाले हत्यारे को फांसी की सजा

भोपाल। राजधानी भोपाल के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली पांच साल की मासूम का अपहरण कर अपने घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने और हत्या के बाद लाश को टंकी में छिपाने वाले दरिंदे अतुल भालसे को भोपाल जिला अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। दोषी अतुल भालसे की मां और बहन को भी दो-दो साल की सजा सुनाई गई है।

बता दें कि मां और बहन ने हत्याकांड के बाद लाश को छिपाने और साक्ष्यों को मिटाने में अतुल भालसे का साथ दिया है। अतुल भालसे सहित तीनों दोषी भोपाल केंद्रीय जेल में बंद हैं। घटना इस वर्ष 24 सितंबर की

है। पुलिस ने इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस की श्रेणी में रखकर तीन माह के अंदर चालान प्रस्तुत किया था और साक्ष्यों व गवाहों के बयान के आधार पर फास्ट ट्रैक कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कुमुदनी पटेल की अदालत ने दोषी को फांसी की सजा सुनाई गई है। जानकारी के अनुसार, अतुल भालसे मूलत: खरगोन जिले का रहने वाला है। वह यहां अपनी मां बसंती बाई के साथ किराए से रहता था। उसी मल्टी में अतुल की बहन चंचल भालसे भी किराए से रहती थी। अतुल का पिता वर्षों पहले इन लोगों को छोड़कर वापस खरगोन चला गया है। अतुल वहसी दरिंदा था, इस कारण कुछ माह पहले ही उसकी पत्नी छोड़कर मायके चली गई थी। पांच साल की मासूम 24 सितंबर को घर के बाहर खेल रही थी, तभी मासूम के घर के सामने किराये से रहने वाला मजदूर अतुल भालसे चॉकलेट का लालच देकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

दरिंदगी के दौरान पीड़ित मासूम चिल्ला रही थी, इस कारण आरोपी ने दसका मुंह दबा दिया था। मुंह दबाने के कारण वह बेहोश हो गई और खून से लथपथ भी थी। आरोपी की मां उस समय मजदूरी करने गई थी। इसके बाद आरोपी ने लाश को ठिकाने लगाने की साजिश रची।

एनकाउंटर मामले में दूसरे दिन भी कांग्रेस का वॉकआउट, 1 करोड़ मुआवजा देने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस ने दूसरी बार मंडला आदिवासी एनकाउंटर मामले में वॉकआउट किया। इससे पहले सोमवार को भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्रवाई का बहिष्कार किया था। बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सरकार को घेर रहे हैं। ध्यानाकर्षण में कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने सदन में मंडला एनकाउंटर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं और इस एनकाउंटर में पुलिस की भूमिका संदेह के घेरे में हैं।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान सदन में मंडला में हुए फर्जी एनकाउंटर मामले पर जांच की मांग की। सरकार की तरफ से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के चलते विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया और एनकाउंटर की सही जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने जमकर नारेबाजी की।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

सी. एम. राइज स्कूल परासिया का परीक्षा परिणाम घोषित

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। सी.एम. राइज परासिया में सत्र 2024-25 का कक्षा नवमी व ग्यारहवी का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कक्षा नवमी का परीक्षा परिणाम 79.53 प्रतिशत, कक्षा ग्यारहवी का 90.34 प्रतिशत रहा। कक्षा नवमी(हिन्दी माध्य) में प्रथम आकांक्षा पवार, द्वितीय कु. आरुषि आम्रवंशी व तृतीय फरीन खान रही। उसी तरह कक्षा नवमी अंग्रेजी माध्यम में प्रथम कु. अपूर्वा सोलंकी, द्वितीय सुरभि अजमिरे व तृतीय तेजस्वनी डेहरिया रही। कक्षा ग्यारवी में जीवविज्ञान संकाय में प्रथम राधिका प्रजापति, गणित संकाय में भूमिका मरकाम, कला संकाय में प्रथम एकता बेलवंशी व वाणिज्य संकाय में प्रथम श्रुति बाबरिया रही। इनकी सफलता पर प्राचार्य अवधेश कुमार वर्मा व समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को गणवेश भी वितरित की गई।

नाम वापसी के बाद अधिवक्ता संघ में आमने सामने का मुकाबला

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। अधिवक्ता संघ के निर्वाचन के लिए आज फार्म वापसी की तिथी थी। मंगलवार को अध्यक्ष के पद के लिए राजकुमार वर्मा ने अपना नाम निर्देशन पत्र वापस ले लिया। कंचन चौरसिया ने कार्यकारिणी सदस्य के लिए अपना नाम वापस लिया। अब अध्यक्ष के लिए श्याम साहू और सूर्यकांत तारण के बीच आमने सामने का मुकाबला तय हो गया है। निर्वाचन अधिकारी संतलाल यादव, सहायक निर्वाचन अधिकारी संध्या सूर्यवंशी, हेमंत सोनी, विकास राय ने बताया कि अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य के लिए एक एक नाम वापस हुआ है। कार्यकारिणी सदस्य के लिए नौ, उपाध्यक्ष और सचिव के लिए तीन तीन उम्मीदवार मैदान में है। सचिव के लिए एक ही नाम निर्देशन पत्र जमा हुआ है। अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और ग्रंथपाल के लिए सीधा मुकाबला है।

जिले में रंगपंचमी पर्व 19 मार्च को शुष्क दिवस घोषित

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा रायसेन जिले में रंगपंचमी 19 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जारी आदेश के तहत जिले में रंगपंचमी 19 मार्च को प्रातः 08.30 बजे से शाम 04 बजे तक शुष्क दिवस घोषित कर जिले की विनिर्माणी इकाईयों में मदिरा का उत्पादन इकाई डी-1, बी-3, एफएल-9, एफएल-9(ए), सीएस-1बी में उत्पादन को छोड़कर विनिर्माण, मदिरा का आयात-निर्यात एवं परिवहन और समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं समस्त बार एफएल-2, एफएल-3 को रंगपंचमी के अवसर पर सम्पूर्ण रायसेन जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

रंगपंचमी पर्व पर रायसेन जिले में रहेगा स्थानीय अवकाश

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले में वर्ष 2025 के लिए कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। जारी आदेश के तहत जिले के लिए 19 मार्च 2025 बुधवार रंग पंचमी पर्व को स्थानीय अवकाश रहेगा। इसके अतिरिक्त 03 अक्टूबर 804वां पीर फतेहउल्लाह साहब दरगाह का वार्षिक उत्सव उर्स तथा 23 अक्टूबर गुरूवार को दीपावली भाईदूज को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह आदेश जिले के कोषालय तथा उप कोषालयों के लिए लागू नहीं होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 मार्च तक जुड़वा सकते हैं नाम

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोडने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है।

ड्यूटी रोस्टर को लेकर सिविल अस्पताल के चिकित्सकों में नाराजगी

काली पट्टी बांधी, जनप्रतिनिधियों के समझाने पर किया काम

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया के सिविल अस्पताल में बनाए गए नए ड्यूटी रोस्टर को लेकर चिकित्सकों में नाराजगी है। मंगलवार को काली पट्टी बांधकर चिकित्सको ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। जनप्रतिनिधियों के समझाने पर चिकित्सकों ने मरीजो का उपचार किया। रविवार को जनप्रतिनिधि चिकित्सकों से मिलने आए।

परासिया सिविल अस्पताल में बीएमओ ने ड्यूटी का नया रोस्टर लागू किया है। इसमें पेरीफेरी के डॉक्टर की ड्यूटी इमरजेंसी सेवाओं से हटा दी गई है। उनकी जगह परासिया अस्पताल में पदस्थ पुरुष चिकित्सकों को ड्यूटी पर लगाया गया है। इसको लेकर चिकित्सक नाराज है। सोमवार को चिकित्सक डीएचओ और सीएमएचओ से मिले थे ।इसके बाद आज काम बंद हड़ताल की चेतावनी दी थी। सुबह चिकित्सकों ने रजिस्टर में हस्ताक्षर कर दिए लेकिन मरीजों का उपचार प्रारंभ नहीं किया। इसके बाद जिला पंचायत सदस्य अरुण यदुवंशी साथियों के साथ अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों से बात की। चिकित्सकों ने अपनी बात रखी। जनप्रतिनिधियों ने चिकित्सकों से लिखित में जानकारी मांगी ।उनसे कहा कि मरीजों को परेशान ना किया जाए ।मरीजों का उपचार करें। इसके बाद मरीज का उपचार प्रारंभ हुआ। चिकित्सकों ने जनप्रतिनिधियों से अपनी बात रखी। मान सम्मान को लेकर शिकायत की। इस मामले में बीएमओ डॉक्टर शशी अतुलकर ने कहा की ड्यूटी रोस्टर से जुड़ा मामला है ।अस्पताल में एक चिकित्सक की अनुपस्थिति के बाद अन्य चिकित्सकों को ड्यूटी के लिए कॉल किया गया ।लेकिन सभी ने अपना मोबाइल बंद कर लिया। बीएमओ को खुद ड्यूटी करना पड़ा ।इसलिए नया रोस्टर लागू किया गया है।

उन्होने कहा कि ड्यूटी रोस्टर में लिखा है कि कोई भी चिकित्सक अपना मोबाइल बंद नहीं करेगें। लेकिन इसके बाद भी चिकित्सक मोबाइल बंद करते है। उन्होंने कहा कि सोमवार को चिकित्सक बिना छुट्टी लिए छिंदवाडा चले गए। वे शाम की ओपीडी में नहीं आए। जिससे मरीजों को परेशान होना पडा। इसका कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है।

परासिया अस्पताल में लगा नसबंदी कैंप, 105 आपरेशन किए

109 महिलाओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया के सिविल अस्पताल में नसबंदी के आपरेशन के लिए मंगलवार को नसबंदी शिविर लगाया गया। शाम पांच बजे से अस्पताल में नसबंदी के आपरेशन शुरू किए गए। 109 महिलाओं ने आपरेशन के लिए पंजीयन कराया। 105 महिलाओं के आपरेशन किए जाएंगे।

अस्पताल के नए भवन में यह पांचवा कैंप लगाया गया। बीएमओ डा शशि अतुलकर , ने शिविर शुरू कराया। डॉ सुधा बक्शी ने महिलाओं का पंजीयन के लिए चैकअप किया। डा एके नायक ने आपरेशन किए। इस अवसर पर चिकित्सकगण, नर्सिंग स्टाफ और सहयोगी स्टाफ के साथ बीईई रजनीश साहू, जगदीश गिल्हारे उपस्थित रहे।

बीएमओ डा शशि अतुलकर ने बताया कि आज भारी संख्या में महिलाएं रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंची। उन्होंने कहा कि पुरुषों की नसबंदी महिलाओं की तुलना में कम जटिल है। पुरुष यदि नसबंदी कराते है तो उन्हें तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि मिलती है। महिलाओं को दो हजार रुपए दिए जाते है।

आज पांचवी बार परासिया में कैंप लगाया गया। अस्पताल में आज ग्राउंड फ्लोर पर आपरेशन किए गए। आपरेशन के लिए नई ओटी तैयार की गई।

आशा कार्यकर्ताओं द्वारा हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का नही मिला वेतन

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी की तरह जमीनी स्तर पर काम करने वाली उषा एवं आशाओं की स्थिति बहुत दयनीय है,एवं परिवार चलाने हेतु विवश है। लगातार हर हाल में हर मौसम में संघर्ष करती है। यह कि आशाओं का कहना है, कि हम सभी वैसे ही अपने विभाग के बहुत कार्य करते हैं, फिर भी हमे वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन द्वारा सभी आशाओं को आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु कहा गया था, जिससे हमारे सभी दैनिक विभागीय कार्य प्रभावित हुए । विभाग द्वारा सुबह से लेकर देर रात्रि तक आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु बाध्य किया गया एवं जब तक दिन का टारगेट न हो तब तक घर नहीं आ सकते। अब हम लोगो को मानदेय देने के नाम पर परेशान किया जा रहा है। वही आशा कार्याकर्ताओ पर वैसे ही अत्यधिक कार्य का दबाव बनाया गया था। स्वास्थ्य विभाग से संबंधित सर्वे से लेकर महिलाओं की डिलेवरी, उनका ध्यान रखना सब आशा कार्याकर्ताओ द्वारा किया जाता है। यदि 31 मार्च तक हम लोगो को मानदेय नहीं मिला तो बजट भी लेब्स हो जाता है, और विगत वर्ष की भांति हम लोगो को उक्त कार्य का मानदेय इस वर्ष भी नहीं मिल पायेगा। यदि हम लोगो को मानदेय नहीं दिया जाता है, तो आने वाले वर्षों मे हम लोगो से आयुष्मान कार्ड बनाने का दबाव न डाला जावे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की गुहार, किया निराकरण

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया।

कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, विद्युत, पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर तथा अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

आटो यूनियन के धरना प्रदर्शन का हुआ समापन

सांसद और आरटीओ से की चर्चा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

बीते एक सप्ताह से जारी आटो यूनियन के धरना प्रदर्शन का समापन हुआ। मंगलवार से आटो चालक अपना वाहन लेकर सडक पर काम करने उतर आए। आटो यूनियन के जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने बताया कि पुलिस अधिक्षक ने आरटीओ से चर्चा करवाई। इसके बाद सांसद से भी आटो यूनियन के पदाधिकारी मिले। इसके बाद धरना प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। ऑटो चालक संघ के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक से चर्चा की । उनसे बताया कि परमिट के आधार पर वाहन चलाने से ऑटो चालक के लिए दो वक्त की रोजी रोटी कमाना मुश्किल हो जाएगा। एक विधानसभा से दूसरी विधानसभा तक चलाने की अनुमति देने की मांग की। पुलिस अधीक्षक द्वारा गंभीरता से विचार करने पर उन्होंने बताया कि इसका हल हमारे माध्यम से नहीं हो सकता। पुलिस अधीक्षक ने आरटीओ से ऑटो चालक संघ की मुलाकात करवाई । उनके समक्ष भी ऑटो चालक संघ ने यही समस्या रखी ।उन्होंने कहा कि हम कानून का पालन कराने हेतु तत्पर है ।कानून को बदलने या राहत प्रदान कराने के लिए सरकार उत्तरदायी है। आटो चालक संघ एक पत्र के माध्यम से सांसद के कार्यालय में उपस्थित हुआ और निवेदन किया कि क्षेत्र की स्थिति को देखते हुए मोटर व्हीकल एक्ट में परिवर्तन कराने हेतु सांसद सत्र के दौरान प्रश्न कर समस्या का समाधान किया जाए। इस पूरे घटनाक्रम में ऑटो चालक संघ के जिलाध्यक्ष प्रमोद शर्मा के साथ अनिल सोलांकी, सरदार राजेंद्र सिंह गिल, संदीप विश्वकर्मा, जुबेर पठान, और शादीक खांन उपस्थित रहे।

खिरसाडोह में पेंचवेली कॉलेज के सामने दो बाइक की भिडंत

पॉलिटेक्निक का छात्र गंभीर, 3 अन्य घायल

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया छिंदवाड़ा मार्ग पर खिरसाडोह में मंगलवार को दो बाइक की भिड़ंत में चार लोग घायल हुए ।इनमें से पॉलिटेक्निक के छात्र की हालत गंभीर है । परासिया अस्पताल में उपचार के बाद उसे छिंदवाड़ा रेफर किया गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार खिरसाडोह में पेंचवेली कॉलेज जाने वाले मोड पर बाइक की एजेंसी के समीप दो बाइक की भिडंत हुई। पॉलिटेक्निक के इलेक्ट्रिकल फाइनल ईयर के छात्र मोहखेड़ निवासी देव ऋषि पवार और एक अन्य छात्र कॉलेज से परासिया की ओर आ रहे थे। एक अन्य बाइक में खमरा जेठू निवासी दुर्गेश धुर्वे और मीनाक्षी बरखाने कॉलेज की फीस जमा कर पेंचवेली कॉलेज से वापस अपने गांव जा रहे थे। मोड पर दोनों बाइक की भिड़ंत हो गई ।इस टक्कर में देव ऋषि पवार को सिर में गंभीर चोटें आई ।वह बेहोश हो गया। उसके साथी छात्र ने ऑटो से तत्काल उसे लेकर परासिया अस्पताल आया। अन्य दो घायलों को 108 एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया ।यहां डॉक्टर नवदीप बोरकर ने इनका उपचार किया ।देव ऋषि पवार को गंभीर चोटें आई है उसे निजी एंबुलेंस से छिंदवाड़ा रेफर किया गया।

अवैध शराब को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

महिलाओं ने कहा शराब ठेकेदार द्वारा गांव-गांव बेंची जा रही अवैध शराब

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

मंगलवार को कलेक्टर के जनता दरबार में कई गांवों से पहुंचे पुरुषों और महिलाओं ने अवैध शराब की समस्या के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन कर ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि आबकारी विभाग की मिलीभगत से अवैध शराब का कारोबार गांवों में तेजी से फल-फूल रहा है, जिससे समाज पर बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब की बिक्री अब स्कूलों के आसपास तक पहुंच गई है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, गांवों में शराबखोरी बढने से महिलाओं को घर से बाहर निकलने में भी असुरक्षा महसूस हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि इस अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाए।

शराब ठेकेदार द्वारा गांव-गांव परोसी जा रही रहा शराब

जनता दरबार में आए ग्राम अमरई बेहरा, भीलटोला, कमका, कोडरी टोला, अमरावद और माखनी गांवों के लोगों ने डिप्टी कलेक्टर मनीष शर्मा को ज्ञापन देकर शराबबंदी की मांग की। जिले में दर्जनों गांव में आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत सें लाइसेंसी शराब ठेकेदार द्वारा अवैध शराब बिक्री गांवों में करवाई जा रही है। गौरतलब है कि पुलिस विभाग ने ठेकेदार पर अवैध शराब बिक्री पर दर्जनों कार्यवाहियों भी की। इसके बावजूद भी लाइसेंसी ठेकेदार अवैध शराब बिक्री धड़ल्ले से करा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय लाइसेंसी शराब ठेकेदार के संरक्षण में लंबे समय से गांव गांव में शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। आबकारी विभाग की मिलीभगत से शराब ठेकेदार द्वारा खुद के वाहनों से खुलेआम गांव-गांव दुकानें खुलवाकर अंग्रेजी एवं देशी शराब बेची जा रही है। जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन झगड़े हो रहे है।

शासन की मदद और डॉक्टर्स की संवेदनशीलता से लौटी डेढ़ वर्षीय गणेश की खोई हुई मुस्कान

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

शारीरिक विकृति के साथ जन्म लेने वाले गणेश चौधरी और उनके परिवार को सरकार की मदद तथा डॉक्टरों की संवेदनशीलता से खोई हुई मुस्कान मिल गई। जिले की बरेली के होली चौक वार्ड नम्बर-14 निवासी अरविंद चौधरी का पुत्र गणेश चौधरी कटे होंठ एवं तालू के साथ जन्मां था।

गणेश के जन्म के साथ ही परिवार के लिए एक बड़ी चिंता ने भी जन्म लिया कि इस अवस्था में बालक का भविष्य क्या होगा। अरविंद चौधरी अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र की समस्या लेकर सिविल अस्पताल बरेली पहुंचे, जहां बीएमओ डॉ हेमंत यादव और आरबीएसके चिकित्सक डॉ माजिदा बानो द्वारा जांच करने के उपरांत ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। इसके उपरांत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल में गणेश का ऑपरेशन कराया गया।

डेढ़ वर्षीय गणेश अब पूर्णतः स्वस्थ्य है। बालक गणेश के स्वस्थ्य होने से परिजन भी बेहद खुश है और डॉक्टर्स, जिला प्रशासन और सरकार को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि शासन की मदद से गणेश और उनकी खोई हुई मुस्कान फिर लौट आई है।

जिला अस्पताल के गेट पर महिला की हुई डिलीवरी, पति अस्पताल में पर्चा बनवाने लगा

प्रभारी सिविल सर्जन बोले,एम्बुलेंस में असिस्टेंट नहीं था

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार एक गर्भवती महिला को जननी एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया लेकिन गेट पर ही उसकी डिलीवरी हो गई। इस दौरान नवजात बच्चा जमीन पर गिर गया।

इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया, जिसके बाद परिजन ने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक ग्राम कमका कुराद निवासी रेखा को प्रसव पीड़ा होने पर जननी एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया था। उनके पति नेपाल सिंह अस्पताल में पर्चा बनवाने गए थे, लेकिन एम्बुलेंस में ड्राइवर के अलावा कोई सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी नहीं था। अस्पताल के गेट पर भी कोई अटेंडर नहीं था। इसी दौरान महिला की डिलीवरी हो गई और नवजात शिशु जमीन पर गिर गया। किस्मत से बच्चे को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इससे महिला के पति नेपाल सिंह ने नाराजगी जताई।

प्रभारी सिविल सर्जन बोले,एम्बुलेंस में असिस्टेंट नहीं

इस मामले में जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ.दीपक गुप्ता ने सफाई देते हुए कहा कि जननी एक्सप्रेस में हेल्थ असिस्टेंट की कोई व्यवस्था नहीं होती। आमतौर पर प्रसूता के साथ परिजन और आशा कार्यकर्ता होते हैं। जबकि एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस में हेल्थ असिस्टेंट की सुविधा होती है। उन्होंने कहा कि वे शासन से इस व्यवस्था में सुधार की मांग करेंगे।

मंहगे शौक पूरा करने के लिये मजदूर करते थे मोबाइल लूट की वारदाते

पैदल जा रहे लोगो को बनाते थे निशाना, आठ वारदातो का हुआ खुलासा

साढ़े तीन लाख का माल बरामद

भोपाल। शहर की अयोध्यानगर नगर थाना पुलिस ने दो ऐसे युवको को दबोचा है, जो पेशे से मेहनत-मजदूरी का काम करते है, और अपने मंहगे शौक पूरा करने के लिये मोबाइल लूट की वारदातो को अंजाम देते थे। उनके कब्जे से पुलिस ने लूटे गये साढ़े तीन लाख् कीमत के 8 मोबाइल सहित वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी जप्त की है।

दोनो आरोपी रास्ते में हाथ में मोबाइल लेकर पैदल चलने वालो को टारगेट करते थे। टीआई महेश लिल्हारे ने बताया की फरियादी भवानी टाउन सागर गैरे के पीछे अयोध्यानगर निवासी आदित्य राज सोनी पिता राकेश कुमार सोनी (22) ने अपनी शिकायत में बताया था की वह 26 फरवरी की रात करीब 10 बजे यशोदा पैलेस बोनीफाई स्कूल के पास पैदल टलहते हुए मोबाइल पर बात कर रहा था। उसी समय बाइक सवार दो बदमाश उसके पीछे से आये और झपटा मारकर मोबाइल छीनकर चंपत हो गए। शिकायत की जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियो के खिलाफ मामला कायम कर लूटेरो की धरपकड के प्रयास शुरु किये। पुलिस टीम ने

घटनास्थल के आसपास के साथ ही लूटेरो के भागने का रुट मैप बनाकर उन रास्तो पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल।

फुटेज के साथ ही की गई मैदानी और अन्य तकनीकी छानबीन में पुलिस के हाथ मोबाइल लूटेरो के संबध में अहम सुराग हाथ लगे। सुरागो के आधार टीम ने दोनो संदिग्धो शाबान पिता शमीम (19) और अभिषेक चौहान पिता श्रीनाथ प्रसाद (20) दोनो निवासी अर्जुन नगर झुग्गी बस्ती थाना एमपीनगर को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पुलिसिया अंदाज में हुई पूछताछ में दोनो

ने बताया की उन्होनें इसी साल 26 फरवरी को अयोध्यानगर सहित शहर के अन्य थाना इलाको से 8 मोबाइल झपटमारी की वारदातो को अंजाम दिया है। आरोपी अभिषेक चौहान 5वीं तक पढ़ा है, और मजदूरी के साथ ही पुताई का काम करता हैं, उसके वहीं उसका साथी शाबान मेहनत-मजदूरी का काम करता है। दोनो बदमाश बड़ा पैसा कमाने और अपने मंहगे शौक पूरा करने के लिये लूट की वारदातो को अंजाम देते थे। वह ऐसे लोगो को अपना टारगेट बनाते जो रास्ते में हाथ में मोबाइल लेकर चलते थे। गिरफ्तार आरोपी अभिषेक आदतन बदमाश है, उसके खिलाफ थाना ऐशबाग, पिपलानी, अशोका गार्डन, एमपी नगर, बैरसिया और अयोध्या नगर में पूर्व से ही चोरी, डकैती की योजना, हत्या का प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित अन्य मामले दर्ज है। वहीं शाबान के खिलाफ भी थाना अयोध्या

समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए 10 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मुल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये अभी तक 10 लाख 20 हजार 224 किसानों ने पंजीयन कराया है। मंत्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की बिक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। उन्होंने बताया है कि किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं, खरीदी उपार्जन केन्द्रों में 5 मई तक होगी। गेहूँ की खरीदी के लिये 2648 उपार्जन केन्द्र बनाये जा चुके हैं। गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

भोपाल के पुराने शहर में निकलेगा रंगपंचमी चल समारोह डेढ़ हजार पुलिस रहेगी तैनात

भोपाल। राजधानी भोपाल के पुराने शहर में इंदौर के गेर की तर्ज पर रंगपचमी मनाने की तैयारी की जा रही है। श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में बुधवार को धूमधाम से रंग पंचमी चल समारोह निकलेगा। यह सुभाष चौक से सुबह साढ़े दस बजे शुरू होकर परंपरागत मार्गों से होकर हनुमानगंज में समाप्त होगा।

सुरक्षा सख्त रहेगी। डेढ़ हजार के करीब अतिरिक्त बल तैनात किया जा रहा है। इसके साथ ही नागपुर में हुई हिंसा और रमजान का पवित्र माह होने के कारण पुलिस अधिकारियों ने पुराने शहर के थाना प्रभारियों को क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष संतोष साहू ने बताया कि चल समारोह सुभाष चौक से लोहा बाजार, जुमेराती, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, भवानी चौक सोमवारा, कपड़ा बाजार चौक, अग्रवाल पूड़ी भंडार, इतवारा रोड, मंगलवारा जैन मंदिर रोड, घोड़ा निक्कास, हनुमानगंज मडिया मंदिर पर समापन होगा।

चल समारोह में राजधानी के अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। उन्होने बताया कि चल समारोह का आकर्षण बैनर, झंडा, ढोल ताशे, पेपर शॉट मशीन राधा कृष्ण, अघोरी नृत्य, दुलदुल घोड़ी, डीजे शामिल होंगे। मार्ग के प्रमुख चौराहों पर हुरियारों पर टैंकरों से नर्मदा जल और रंग की वर्षा होगी। हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष संतोष साहू ने बताया कि हिन्दू उत्सव समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगों का त्यौहार रंग पंचमी बहुत ही धूमधाम से मनाएगी।

नवविवाहिता ने ससुराल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में स्थित एक बस्ती में रहने वाली नवविवाहिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। हालांकि ससुराल वालो ने दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार पूजा खरवार पत्नी रोहित (29) मूलरूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी, और यहां गौतम नगर बस्ती में अपनी ससुराल में रहती थी। उसका पति औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फेब्रीकेशन फैक्ट्री में काम करता है। दंपत्ति के साढ़े तीन साल और ढाई साल के दो बच्चे हैं। बीते दिन काफी समय तक पूजा का कमरा बदं रहने पर शाम करीब 5 बजे सास-ससुर ने उसे आवाज लगाई। लेकिन न तो अंदर से कोई जवाब आया और न ही दरवाजा खुला। अनहोनी की

आशंका के चलते परिवार वालो ने दरवाजा तोड़ा।

अंदर जाकर देखने पर पूजा का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बताया की फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट या अन्य ऐसा सुराग नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी का कारण साफ हो सके।

जॉच टीम का कहना है, कि हादसे की सूचना मिलने पर यूपी में रहने वाले मृतका के परिजन यहॉ आने के लिए रवाना हो गए हैं। उनके आने के बाद शव का पीएम कराया जाएगा। वहीं परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद ही आत्महत्या का कारण साफ हो सकता है, जिसके आधार पर आगे की जॉच की जायेगी। फिलहाल अशोका गार्डन पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

प्रॉपट्री डीलर ने फर्म में पार्टनर बनाकर कारोबारी से को लगाई एक करोड़ 30 लाख की चपत

हॉस्टल खरीदने के नाम पर ली गई रकम के साथ ही 18 लाख की कार भी हड़प ली

भोपाल। पिपलानी इलाके में स्थित इंद्रपुरी सी सेक्टर में रहने वाले एक कारोबारी को फर्म में पार्टनर बनाकर प्रॉपट्री डीलर ने 1.30 करोड़ की ठगी कर ली। आरोपी ने पहले फरियादी से एग्रीमेंट कर एक हॉस्टल के नाम पर रकम ली, फिर उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर फर्म से कारोबारी को हटा कर अपनी पत्नी को पार्टनर बना लिया।

पैसौ के साथ ही आरोपी ने उसकी 18 लाख रुपए की कार भी हड़प ली। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी दंपती के खिलाफ मामला दर्ज किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सी सेक्टर इंद्रपुरी में रहने वाले योगेश उप्पल पुत्र

ओमप्रकाश (49) निजी कारोबार करते हुए और उनकी इंद्रपुरी में ही दुकान है। काम के चलते प्रॉपट्री डीलर का काम करने वाला आरोपी शुभम छवर उनका परिचित है। बाद में पहचान बढ़ने पर साल 2023 में वह शुभम छवर की फर्म में बतौर पार्टनर के रूप में जुड़ गए थे।

शुभम और योगेश ने इंद्रपुरी स्थित एक हॉस्टल का सौदा 1 करोड़ 80 लाख में तय किया।

इस सौदे में योगेश ने 90 लाख रुपए और रजिस्ट्री का पैसा दिया था। लेकिन अगले साल 2024 में शुभम ने बिना कोई जानकारी दिये फर्म से योगेश को हटाते हुए अपनी पत्नी अहान्वी छवर को पार्टनर बना लिया। इस बीच शुभम ने योगेश की 18 लाख कीमत की एक कार भी लेकर अपने पास रखी हुई थी। बाद में अपने साथ हुए धोखे की जानकारी लगने पर फरियादी ने अपनी रकम और कार वापस देने को कहा तब शुभम ने उन्हें लौटाने से इंकार कर दिया।

कृषि में तकनीकी क्रांति के लिए उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग आवश्यक

आईआईएसईआर पुणे में हुई एक दिवसीय इंडस्ट्री-अकादमिक कार्यशाला

भोपाल। पुणे स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में 'रिसर्च इनोवेशन फॉर कमर्शियलाइजेशन' विषय पर एक दिवसीय इंडस्ट्री-अकादमिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के एग्रीहब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा किया गया।

कार्यशाला की शुभारंभ में आईआईटी इंदौर के एग्रीहब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रमुख अन्वेषक प्रो. अरुणा तिवारी कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सहयोग बढ़ाकर ही अनुसंधान को व्यावसायिक स्तर पर ले जाया जा सकेगा। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (आईसीटी) डॉ. अनिल राय ने अनुसंधान एवं अकादमिक संस्थान और औद्योगिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं नवाचारों को मूर्त रूप देने और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक हो सकती हैं। कार्यशाला में सी-डैक पुणे की वैज्ञानिक सुश्री लक्ष्मी पनट ने कृषि क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत बनाने के लिए मल्टी-बेनिफिशरी सहयोग को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि कृषि में तकनीक के समावेश से ही उत्पादकता में वृद्धि को स्टेबल और सस्टेनेबल बनाया जा सकता है।

कार्याशाला में शामिल हुए असम साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी गुवाहाटी के कुलपति प्रो. नरेंद्र एस. चौधरी ने एरिया-स्पेसिफिक एआई और मशीन लर्निंग (एमएस) मॉडल विकसित करने की आवश्यकता जताई। अघारकर रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. प्रशांत ढकेफालकर ने कहा कि हरित क्रांति के बाद अब कृषि में एआई और एमएल आधारित अनुसंधान से नई तकनीकी कृषि क्रांति की आवश्यकता है। इससे भारत वैश्विक खाद्य उत्पादन और कृषि प्रौद्योगिकी में अग्रणी बन सकता है। कार्यशाला के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

मप्र में आज एक्टिव होगा वेस्टर्न डिस्टरबेंस

कई जिलों गरज-चमक और हल्की बारिश का अलर्ट

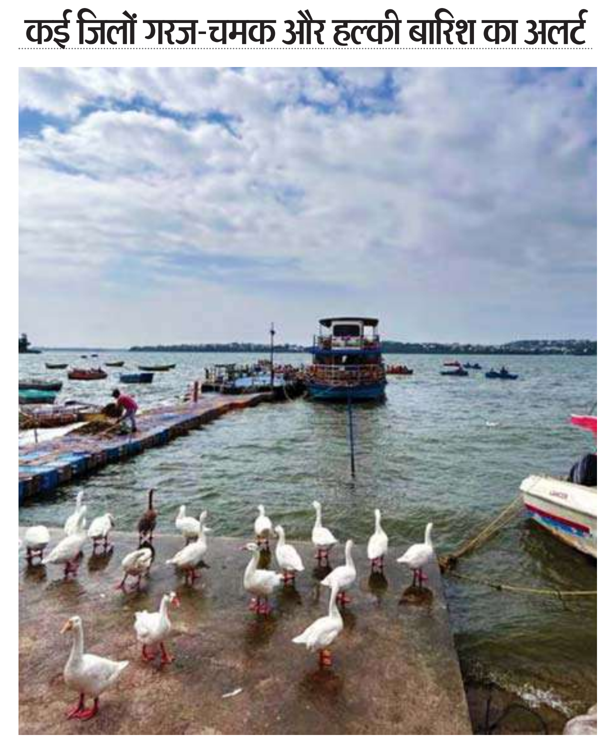

भोपाल। मध्य प्रदेश में दो साइक्लोनिक सिस्टम एक्टिव होने से प्रदेश का मौसम बदला हुआ है। मंगलवार को कई जिलों धूप-छांव चलता रहा। राजधानी भोपाल में भी दिन में तेज हवा चली यहां का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कल यानी 19 मार्च से अगले 3 दिन के लिए मौसम पूरी तरह से बदल जाएगा।

रंग पंचमी से प्रदेश का आधा हिस्सा भीगेगा। भोपाल, इंदौर-उज्जैन संभाग में बादल छाए रहेंगे और बूंदाबांदी होगी, वहीं जबलपुर, ग्वालियर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा, सागर-शहडोल संभाग में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

कल एक्टिव होगा एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस

कल यानी 19 मार्च से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंसएक्टिव होगा। जिसके असर से प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होगा। अभी दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के एक्टिव होने की वजह से इन दिनों मौसम बदला हुआ है।

वहीं, एक ट्रफ भी गुजर रहा है।जबकि मार्च के आखिरी महीने में प्रदेश में फिर से गर्मी का असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

भोपाल में बंद हुई सिटी बसें शुरू होने में लगेगा समय

1 साल से ज्यादा समय बीता, 1 लाख लोग हो रहे परेशान

भोपाल। भोपाल में एक साल से ज्यादा समय बाद भी 250 से ज्यादा सिटी बसें चलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। अभी भोपाल के यात्रियों को इसके लिए और इंतजार करना पड़ेगा। इसे लेकर विधानसभा में उठे मुद्दे में नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गी ने बताया है कि इसके लिए कोई समय तय नहीं है। जानकारी के लिए बता दें कि राजधानी भोपाल में 368 में से सिर्फ 111 बसें ही चल पा रही हैं। उसमें भी 20 बसें किसी न किसी कारण से मेंटेनेंस को लेकर वर्कशाप में खड़ी रहती हैं। जबकि 149 बसों को ऑपरेटर डिपो से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। इन ऑपरेटरों के अनुसार पहले उन्हें पिछले बकाया करीब दो करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया जाए, उसके बाद सिटी बसें सड़कों पर दौड़ेंगी। वहीं निगम अधिकारियों के अनुसार बसों के संचालन में काफी घाटा हो रहा है। इसलिए शासन को पत्र लिखकर सहयोग

मांगा गया है।

बस बंद होने से शहर में बढ़े ऑटो

सिटी बसों के न चलने से भोपाल में डेढ़ हजार नए आटो चलने लगे हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। वहीं किराया भी दो से तीन गुना अधिक देना पड़ रहा है और दुर्घटना का भी डर बना रहता है। इस संबंध में बस ऑपरेटरों के अनुसार बीसीएलल कंपनी कोई प्रयास ही नहीं कर रही कि बसों का संचालन हो। यही कारण है कि पुराना बकाया भुगतान रोकने के अलावा टिकिट कलेक्शन कंपनी नहीं ढूंढ पा रही।

इन रूटों में यात्री हो रहे है परेशान: बसों के संचालन में व्यवधान की असली वजह टिकट एजेंसी चलो एप ने प्रति किलोमीटर दी जाने वाली राशि घटाने की मांग की है। इसका विरोध बस ऑपरेटर मां एसोसिएट द्वारा किया गया। इस कारण न तो टिकिट कलेक्शन हो पा रहे हैं और न ही बसों का संचालन। शहर के 115, 113, 116, 205, 204, 208, एसआर 8, टीआर 1, 311 और 106 रूट पर बसों के नहीं चलने से रोजाना एक लाख से अधिक यात्री प्रभावित हो रहे हैं।

विधान सभा विधायक ने लगाया था यह सवाल

दरअसल हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाया था। उन्होने पूछा था कि भोपाल में जितनी बसों का संचालन होना चाहिए, उससे आधी भी बसें नहीं चलाई जा रही हैं। लोग परेशान हैं। मंडीदीप,आचारपुरा, बागरोदा, बंगरसिया, फंदा, बिलकिसगंज औद्योगिक केंद्र आने-जाने वाले नागरिकों को साथ स्कूल- कॉलेज के बच्चों को असुविधा हो रही है। बसों का संचालन ठीक तरीके से हो, इसके लिए क्ष्टररुके अधिकारियों एवं ऑपरेटरों की साठगांठ की जांच होनी चाहिए। इसके बाद सोमवार को जवाब मिला। जिसमें कहा गया है कि बसें शुरू करने का समय नहीं बताया जा सकता है। हलांकि अधिकारियों और ऑपरेटरों की साठगांठ की बात पर पर नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जांच कराए जाने की बात कही है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

पति की मौत के बाद लिव इन में रह रही महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित ओल्ड सुभाष नगर में किराए के मकान में रहने वाली एक विधवा महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि पति की चार साल पहले हुई मौत के बाद महिला अब एक युवक के साथ लिवइन में थी। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिसके कारण फिलहाल आत्महत्या का सही कारण साफ नहीं हो सका है। सूत्रो के मुताबिक शुरूआती जांच में सामने आया है, कि मृतका का प्रेमी उससे शादी नहीं कर रहा था, इसक कारण उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस ने बताया कि हेमलता राजपूत (25) एक साल पहले ही ओल्ड सुभाष नगर में किराए के मकान में रहन के लिये आई थी। उसके पति की चार साल पहले सड़क हादसे में मौत हो चुकी है, उनका एक चार साल का बेटा है। वह फिलहाल अपने प्रेमी दीप जोशी के साथ लिवइन में थी। दीप गुरुग्राम में प्राइवेट नौकरी करता है। वह महीने में 1-2 बार भोपाल मिलने आता-जाता रहता है। सोमवार को मकान मालिक ने हेमलता ने को कमरे में फांसी के फन्दे पर लटका हुआ देख इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल की छानबीन के दौरान कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। महिला का मायका विदिशा में है। मायके पक्ष के आने पर उनके बयान लिए जाएंगे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि प्रेमी दीप उससे शादी नहीं कर रहा था, इस कारण उसने यह कदम उठाया है।

महिला चोर गिरोह ने ज्वैलर्स शॉप से उड़ाये एक किलो चांदी के कड़े

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में स्थित सम्राट कॉलोनी में चार महिलाओ के गिरोह ने एक ज्वलर्स की शॉप पर मौका पाकर वहॉ से एक किलो चांदी के कड़ों पर हाथ साफ कर दिया। घटना सोमवार शाम 4 बजे की है। फरियादी दुकान पर अपने पिता को बैठाकर लंच करने गए थे, वापस लौटने पर कड़ों का डब्बा गायब मिला। जब सीसीटीवी कैमरे चैक किये गये तब चोरी का खुलासा हो गया। चोरी गई चांदी की कीमत 1.13 लाख रुपए है। शिकायत की जॉच के बाद पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शशिकांत सोनी (42) सम्राट कॉलोनी में रहते है। उनकी रिद्धि-सिध्दी के नाम से घर के नीचे ही ज्वलर्स की शॉप है। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे शशिकांत अपने पिता को दुकान पर बैठाकर घर में खाना खाने चले गए थे। करीब 4 बजे जब वह वापस आए तो काउंटर पर रिपेयरिंग का सामान पड़ा हुआ था। संदेह होने पर उन्होंने जब जेवरात चेक किए तो काउंटर पर रखा चांदी के कड़ों से भरा ड्ब्बा गायब था। शशिकांत ने अपने पिता से पूछा तो उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। सीसीटीवी चेक करने पर उसमें चार बुर्का पहने महिलाए दिखाई दी। तीन महिलाओं ने पहले बुजुर्ग पिता को बातों में उलझाया और एक महिला ने हाथ की सफाई दिखाते हुए चांदी के कड़ों से भरा ड्ब्बा चोरी कर लिया।

10 फिट गहरे गड्डे में गिरी बाइक, एक की मौत, दो गंभीर

भोपाल। नजीराबाद थाना इलाके में खैरखेड़ी मोड़ पर पुल के पास हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया गया है की एक बाइक पर तीन लोग सवार हो कर जा रहे थे, अचानक मोड़ आने के कारण बाइक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतर गई और करीब 8 से 10 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। बाद में बाइक सवार तीनों युवको को गंभीर हालत में इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ एक युवक की मौत हो गई। थाना पुलिस ने बताया की ग्राम उमरिया जिला विदिशा में रहने वाला मिथुन भील पुत्र नारायण भील (25) निजी काम करता था। मिथुन अपने साथी रामभरोसे और राकेश के साथ भोपाल से अपने गांव उमरिया जाने के लिए निकला था। तीनों दोस्त सोमवार सुबह करीब 8 बजे नजीराबाद के खैरखेड़ी गांव पहुंचे। खैरखेड़ी मोड़ पर पहुंचते ही अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे सूखे नाले में जा गिरी। वहॉ से गुजर रहे अन्य लोगो से मिली सूचना र डायल 100 टीम एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बैरसिया पहुचाया गया। वहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही मिथुन भील को मृत घोषित कर दिया। वहीं रामभरोसे और राकेश के गंभीर रुप से घायल होने पर उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

पाकिस्तानी सेना के ऊपर 48 घंटे में 57 हमले

सत्ता के आतंक और नेताओं के भ्रष्टाचार ने सारी दुनिया के देशों में सरकारों के खिलाफ जन विद्रोह की स्थिति पैदा कर दी है। दुनिया के अधिकांश देश इस समय आतंकवादी संगठनों तथा जनता की नाराजी को झेल रहे हैं। कई देशों में सत्ता बार-बार बदल रही है राजनीतिक स्थिरता खत्म होती जा रही है हाल ही में पाकिस्तान की बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी ने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करके पाकिस्तान सरकार की नींद उड़ा दी। पाकिस्तान की फौज ने 40 घंटा तक ऑपरेशन चलाकर जैसे -तैसे ट्रेन को छुड़ाया, इसमें दर्जनों लोगों की मौत हो गई। जिसमें सेना के जवान भी शामिल थे। इस घटना के बाद बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी फौज के काफिले पर हमला कर दिया। 90 जवानों को मार डालने का दावा आतंकवादी संगठन द्वारा किया गया है। 48 घंटे के अंदर आतंकवादी संगठनों ने 50 से ज्यादा हमले पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी पर किए हैं। जिससे प्रतीत होता है कि पाकिस्तान गृह युद्ध में फंस गया है। शनिवार और रविवार को 57 हमले सेना पर हुए हैं। पाकिस्तान सरकार ने 16 लोगों की मौत और 40 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इसमें ट्रेन हाईजैक के बाद आत्मघाती बम विस्फोट सबसे घातक हमला माना गया है। पाकिस्तान के तीन प्रांतों के 23 जिलों में लगातार हिंसक वारदाते हुई है। बलूचिस्तान से जो चिंगारी शुरू हुई,उसकी लपटे अन्य प्रांतो में भी पहुंचने लगी है। पाकिस्तान की सरकार को इन दिनों तीन मोर्चे पर एक साथ लड़ना पड़ रहा है। बीएलए ओर टीटीपी के साथ अब अफगानिस्तान बॉर्डर पर भी पाकिस्तान की सेना को लड़ना पड रहा है। अफगान के रास्ते पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी हो रही है। जिस पर सेना नियंत्रण नहीं कर पा रही है। पाकिस्तान की सरकार पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही है। राजनीतिक अस्थिरता भी पाकिस्तान का संकट बढ़ा रही है। सरकार आतंकवाद को दबाने का जितना प्रयास कर रही है, उससे ज्यादा आतंकवाद फैल रहा है। एक मच्छर भी जीना हराम कर देता है। पाकिस्तान की सरकार और सेना ने आम पब्लिक के ऊपर जो कहर पिछले कुछ वर्षों में बरपाया है। उसके कारण अब आतंकी संगठन हिंसक विरोध कर रहे हैं। जिसके कारण पाकिस्तान सरकार की रातों की नींद और दिन का चैन हराम हो गया है। पाकिस्तान में जिस तेजी के साथ महंगाई, आर्थिक संकटऔर बेरोजगारी बढ़ रही है। उसके कारण पाकिस्तान की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। ऐसा लग रहा है, पाकिस्तान एक बार फिर विभाजन के कगार पर खड़ा हो गया है। सेना और सरकार राजनीतिक तरीके से मामलों को सुलझाने में पूरी तरह से असफल साबित हो रही है। जिसके कारण अब पाकिस्तान के दो टुकड़े होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बलूचिस्तान और ख़ैबर पख़्तूनख़्वाह के कई इलाकों में आतंकवादियों ने कब्जा कर लिया है। अफगानिस्तान में तालिबानियों का कब्जा होने के बाद आतंकवादी संगठन पाकिस्तान में काफी मजबूत हो गए हैं। आतंकवादी ताकत के साथ सत्ता तक पहुंचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। उसमें उन्हें सफलता मिलती हुई दिख रही है। कहा जाता है, अति सर्वत्र वर्जयते, पहले पाकिस्तान की सरकार और सेना ने दमन की पराकाष्ठा को पार किया। अब नाराज जनता और आतंकवादी संगठन मिलकर पाकिस्तान की सरकार को सबक सिखा रहे हैं। श्रीलंका, बंग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान में अराजक्ता की स्थिति पैदा हो गई है। पड़ोसी देश होने के कारण इसका असर भारत में पी पड़ना तय है। भारत के सीमावर्ती राज्य जम्मू -कश्मीर, पूर्वोत्तर राज्य, राजस्थान और गुजरात के कुछ इलाकों में इसका असर पड़ना तय है। भारत सरकार को सीमा पर अपनी सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।

आखिर हर सूबे में क्यों पिटती है पुलिस ?

एक छोटा सा सवाल है कि आखिर देश के हर हिस्से में पुलिस क्यों पिटती है ? क्या देश में जनता को खाकी वर्दी से अब डर नहीं लगता जबकि पुलिस की वर्दी का दूसरा नाम ही खौफ है। मध्यप्रदेश के मऊगंज से लेकर भागलपुर तक और भागलपुर से लेकर जहानाबाद तक पुलिस को पिटते देख ये सोचने पर विवश होना पड़ रहा है कि हिंदुस्तान में आखिर क्या वजह है जो पुलिस का इकबाल मिटटी में मिल गया है ? सबसे पहले मध्यप्रदेश के मऊगंज की बात करते हैं। मऊगंज में न कोई अबू आजमी है और न किसी औरंगजेब की कब्र ,लेकिन यहां जो बवाल हुआ उसमें एक पुलिस कर्मी की मौत हो गयी और अनेक घायल हो गए। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले के गड़रा गांव में दो गुटों के बीच झगड़े की कीमत पुलिस को चुकानी पड़ी। पुलिसकर्मियों के झड़प ने ऐसा स्वरूप लिया कि एक एएसआई रामचरण गौतम की जान चली गई। वहीं तहसीलदार समेत कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।यहां न कोई हिन्दू था और न कोई मुसलमान। पक्षकार आदिवासी थे ,लेकिन वे पुलिस पर भारी पड़े। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मध्यप्रदेश में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू हुए चार साल हो गए हैं ,हालाँकि पुलिस कमीश्नर प्रणाली केवल भोपाल और इंदौर शहर में लागू है लेकिन प्रदेश में पुलिस का इक़बाल बुलंद नहीं हो पाया। कारण ये है कि प्रदेश की पुलिस भ्र्ष्ट होने के साथ ही साम्प्रदायिक और नेताओं की कठपुतली बन गयी है। पुलिस में सिपाही से लेकर पुलिस अधीक्षक तक की पदस्थापना में सियासत का दखल है और नतीजा ये है कि लोग अब पुलिस की वर्दी का न सम्मान करते हैं और न पुलिस से खौफ कहते हैं। अब बात बिहार की कर लेते है। यहां तो पुलिस न सिर्फ पिटती है बल्कि नेताओं के इशारे पर नाचने के लिए भी मजबूर की जाती है ,और आखिर में महकमें की प्रताड़ना का शिकार भी पुलिस वाले ही होते हैं। लालू प्रसाद के बेटे तेजप्रताप के इशारे पार होली के दिन नाचने वाले एक सिपाही को आखिर निलंबित कर दिया गया। बिहार में बेखौफ बदमाश पुलिस पर हमला करने से भी बाज नहीं आ रहे। तीन दिनों पहले अररिया जिला के फुलकाहा थाना में तैनात एएसआई (जमादार) राजीव रंजन मल्ल की धक्का-मुक्की में मौत के बाद फिर मुंगेर में मुफस्सिल थाना के एएसआई संतोष कुमार सिंह की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई।वे 14 मार्च की रात आपसी विवाद की सूचना पर उसे सुलझाने नंदलालपुर गांव गए थे। जहां बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। इसमें एएसआई संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उनके सिर पर चोट लगी थी। पंजाब में तो हालत और भी ज्यादा खराब हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि पूरा पुलिस महकमा केजरीवाल की सेवा में लगा हुआ है। पंजाब में कानून व्यवस्था बेहद खराब है।पुलिस के साथ जो व्यवहार मध्यप्रदेश के मऊगंज में हुआ वैसा ही व्यवहार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में भी हु। जिले के अजगैन कोतवाली के छेड़ा गांव में 14 मार्च को शराब के नशे में दो भाइयों में विवाद के बाद पथराव हुआ था। पहले आरोपियों के पिता रामस्वरूप की हृदयगति रुकने से मौत हो गई थी। वहीं, पड़ोसी धीरेंद्र की नाक में पत्थर लगने से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस आरोपी भाइयों को हिरासत में लेकर जा रही थी तभी कुछ ग्रामीणों ने रास्ता रोक लिया और दोनों आरोपियों को जीप से खींचने का प्रयास किया था। भारत में पुलिस व्यवस्था बहुत पुरानी है। मुगलों और अंग्रेजों से भी पुरानी। लेकिन मुगलों और अंग्रेजों ने पुलिस व्यवस्था को और मजबूत किया और इसका इकबाल भी बुलंद किया। कोटवार से लेकर कोतवाल तक और आज सिपाही से लेकर महानिदेशक तक का इकबाल होता है ,किन्तु आजादी के बाद देशभक्ति -जन सेवा का ध्येय लेकर बनाई गयी पुलिस या तो जुल्म का पर्याय बन गयी या फिर कालांतर में सत्ता प्रतिष्ठान की कठपुतली। पुलिस बल में समय के साथ सुधार भी हुए लेकिन पुलिस आज भी जनता की जरूरतों से ज्यादा सत्ता प्रतिष्ठान की जरूरतों का ख्याल रखती है। जनता के मन में पुलिस के लिए कोई आदरभाव नहीं है क्योंकि पुलिस अपराधियों,नेताओं और सत्ता रपतिष्ठं के गठजोड़ का एक हिस्सा बनकर रह गयी है। आपको बता दूँ कि संविधान के तहत, पुलिस राज्यों द्वारा शासित एक विषय है। इसलिए, 29 राज्यों में से प्रत्येक के पास अपने स्वयं के पुलिस बल हैं। केंद्र को कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने में राज्यों की सहायता के लिए अपने स्वयं के पुलिस बलों को बनाए रखने की भी अनुमति है।

बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में विज्ञान बाल कथाओं की अहम भूमिका

विज्ञान साहित्य को बाल साहित्य में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। वर्तमान युग विज्ञान का युग है। बच्चें देश का भविष्य हैं। विज्ञान कथाएं और विज्ञान साहित्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें बदलती हुई परिस्थितियों से समायोजन में मदद करता हैं और उनके व्यक्तित्व का विकास करता है। विजय गर्ग कहते हैं कि बाल साहित्य में विज्ञान साहित्य को शामिल करना कितना उचित।

विज्ञान साहित्य कौन- कौन सी विधाओं में लिखा जा रहा है विज्ञान साहित्य को अलग- अलग विधाओं में लिखा जा सकता है। छोटे रोचक विज्ञान लेख, यात्रा वृतांत, वैज्ञानिकों के संस्मरण, विज्ञान कविता और विज्ञान कथा। क्या विज्ञान साहित्य विज्ञान के सिद्धांतों को समझने में मददगार हो सकता है के प्रश्न पर गर्ग जी का कहना था यह अच्छा प्रश्न किया, इसमें कोई संदेह नहीं है। कई बार विज्ञान के सिद्धांत कठिन और नीरस लगते हैं। कक्षा में समझ नहीं आते, लेकिन जब हम इन्हें विज्ञान कथा के माध्यम से समझाते हैं तो इन्हें समझना आसान हो जाता है। विज्ञान साहित्य को पढ़ने से वैज्ञानिक शब्दावली का ज्ञान भी आसानी से होने मदद मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई अंधविश्वास और भ्रांतियों व्याप्त हैं। क्या विज्ञान साहित्य इन्हें दूर करने में सहायक होता है के प्रश्न पर उन्होंने बताया , विज्ञान साहित्य को पढ़ने से वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है। बालक समस्या को पहचान कर उसका मूल कारण खोजता है। अपनी बात को सत्यापित करने के लिए तथ्यों का सहारा लेता है। बालक में अन्वेषण प्रवृत्ति और तर्क शक्ति का विकास होता है।

विज्ञान साहित्य में विज्ञान कथाएँ बच्चों को बहुत लुभाती हैं। बालक के विकास में विज्ञान कथा का क्या योगदान हो सकता है के उत्तर में कहती हैं, विज्ञान कथाएँ बालक की कल्पनाशीलता को नये आयाम दे सकती हैं। ये शिक्षा प्रक्रिया को रोचक बनाती हैं। विज्ञान कथाएं पढ़ने से बालक की विचार प्रक्रिया सुदृढ़ होगी और दूर दृष्टि का विकास भी होगा।

विज्ञान कथा के बारे में कुछ और बताएं पूछने पर वे कहते हैं कि विज्ञान कथा भी एक साहित्यिक शैली है जिसमें विज्ञान के तथ्यों पर आधारित कहानियाँ शामिल होती हैं, जो अक्सर भविष्य का परिदृश्य प्रस्तुत करती हैं। इनके द्वारा ब्रह्मांड और दुनिया के अस्तित्व को समझा जा सकता है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, विज्ञान कथाओं में संभावित वैज्ञानिक सफलताओं और मानव ज्ञान का विकास शामिल होता है। विज्ञान कथाएँ कभी भी दैवीय हस्तक्षेप या अन्य ऐसी ही धारणाओं का खुले तौर पर धार्मिक विषयों से संबंधित नहीं होती हैं।

बाल विज्ञान कथाएं कैसी होनी चाहिएं प्रश्न के जवाब में कहते है कि बाल विज्ञान कथाएं, रोचक शैली में लिखी काल्पनिक कहानियां होती हैं. इनमें सेटिंग और कथानक प्रौद्योगिकी, समय यात्रा, बाहरी अंतरिक्ष या वैज्ञानिक सिद्धांतों के इर्द-गिर्द रहते हैं। पहले पुस्तकें और लघु कथाएँ विज्ञान कथा कहानियों को व्यक्त करने के मूल साधन थे। आज उन्नत तकनीकी और विशेष प्रभावों के बल पर टेलीविजन और सिनेमा 21वीं सदी में विज्ञान कथाओं के लिए प्रमुख माध्यम बन गए हैं। बच्चे आज स्क्रीन पर

विज्ञान कथा देख कर रोमांचित होते हैं। विज्ञान कथा साहित्य मनोरंजन प्रदान करने के अलावा वर्तमान समाज की आलोचना भी करता है और विकल्पों की खोज कर सकता है। यह आश्चर्य की भावना को प्रेरित कर सकता है। बाल विज्ञान कथा के कथानक भी बच्चों को आकर्षित करने वाले होने चाहिए इस पर आपकी क्या राय है पूछने पर बताते हैं कि विज्ञान कथा साहित्य में कथानकों की एक विस्तृत श्रृंखला विद्यमान है । अंतरिक्ष, साहसिक यात्राएं, विविध वैज्ञानिक सिद्धांत, भविष्य में वैज्ञानिक आविष्कारों की कल्पना, जैव तकनीकी के अनुप्रयोग, पर्यावरण आदि बाल कथाओं के प्रमुख विषय है। रोबोट , कृत्रिम मनुष्य , मानव क्लोन , बुद्धिमान कंप्यूटर और मानव समाज के साथ उनके संभावित संघर्ष सभी विज्ञान कथाओं के प्रमुख विषय रहे हैं। विज्ञान कथा को कल्पना कथा भी कहा जाता है, क्या वास्तव में यह चमत्कारों की बात करती है प्रश्न के उत्तर में वे कहते हैं कि साहित्य में विज्ञान कथा समय के प्रति संवेदनशील विषय है। आम तौर पर भविष्यवादी, विज्ञान कथाएँ तकनीकी परिवर्तन द्वारा संभव बनाए गए जीवन के वैकल्पिक तरीकों के बारे में अनुमान लगाती हैं, और इसलिए कभी-कभी इसे कल्पना कथा कहा जाता है। विज्ञान कथा का एक बड़ा लाभ यह है कि यह पाठक के लिए अज्ञात या अप्राप्य ज्ञान के छोटे-छोटे अंश, संकेत और वाक्यांशों को व्यक्त कर सकता हैज् चमत्कार जो इसमें घटित हो रहे हैं, वे अक्सर भविष्य में सत्य बन जाते हैं। पूर्व में लिखी गई अनेक विज्ञान कथाओं में वर्णित तथ्य आज सत्य साबित हो चुके हैं। असीमोव ने 50 के दशक में बुद्धिमान रोबोट्स की कहानियां लिखी हैं। रे ब्रैडबरी की विज्ञान कथा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त वस्तुएं आज सत्य हैं। विज्ञान कथा का आकर्षण तर्कसंगत, विश्वसनीय और चमत्कारी के संयोजन में निहित है।

विज्ञान कथा साहित्य से बालक को अन्य क्या लाभ हो सकते हैं पूछने पर वे बताती हैं कि विज्ञान कथाओं में भविष्य के संसार से बच्चों का परिचय होता है। भविष्य में पर्यावरण कैसा होगा, तकनीकी कितनी उन्नत हो जाएगी और इस परिप्रेक्ष्य में समाज का स्वरूप क्या होगा। कौनसी चुनौतियों हमारे सामने आ सकती है, विज्ञान कथाएँ यही बताते है। आप विज्ञान कथा, कविता और अन्य प्रकार लेखन करते हैं बताएं विज्ञान साहित्य कैसा होन चाहिए, इस पर वह कहती विज्ञान साहित्य सरस और रोचक भाषा होना चाहिए। कहानी या लेख बहुत बड़े न हों, साथ में आकर्षक चित्र भी हों। विज्ञान कथा का आधार कोरी कल्पना या फंतासी न हो, वैज्ञानिक तथ्य हों। अंतिम प्रश्न विज्ञान साहित्य पर आपका अनुभव कैसा है क्या इसे साहित्य जगत में साहित्य की श्रेणी में रखते हैं । आपने बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न किया, वैसे तो विज्ञान साहित्य , आम साहित्य जैसा है परंतु विडंबना है कि साहित्य जगत में इसे साहित्य से पृथक कर ही देखने की प्रवृति अधिक है।

यदि पुलिस हताश हो गई तो कानून व्यवस्था का क्या होगा ?

चैतन्य भट्ट

मऊगंज में भीड़ द्वारा एक एएसआई की जघन्य हत्या और इंदौर में वकीलों द्वारा मारपीट की घटनाओं ने

पुलिस कर्मियों के मनोबल को हिला कर रख दिया है। वे अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर ब्लैक होल की तस्वीर लगाकर अपनी हताशा बयान कर रहे हैं। हमारे पंजे नोच लिए गए हैं , और तीर भी चलाने हैं और परिंदे भी बचाने हैं जैसे सोशल मीडिया पोस्ट उनके दर्द को बयां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से एक नजर अपनी ओर डालने जैसी अपीलें भी हो रही हैं। वहीं सोशल मीडिया का एक दूसरा चेहरा है जहां बदमाश और अपराधी तत्व न सिर्फ खुले आम हथियारों के साथ तस्वीरें परोस रहे हैं बल्कि अपने गुनाहों का महिमा मंडन भी कर रहे हैं। नेताओं के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट कर राजनीतिक ताकत दिखाते हैं। समाज के रक्षकों और भक्षकों के मनोबल की यह विरोधाभासी तस्वीर चिंता जगाती है।

पुलिस कर्मियों से जबरदस्ती की यह घटनाएं नई नहीं हैं। पिछले कुछ सालों पर नज़र डालें तो अदना कर्मचारी छोड़िए, आईपीएस अधिकारी तक आपराधिक हिंसा के शिकार हुए हैं। चंबल में खनन माफिया द्वारा एक अधिकारी को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया गया था। पिटने की घटनाएं तो आम सी हो गई हैं। और पुलिस ही क्यों, जनता से सीधे संपर्क रखने वाले सारे सरकारी अर्धसरकारी कर्मचारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में भीड़ की हिंसा का शिकार होते रहे हैं। इंदौर में एक ताकतवर नेता के विधायक पुत्र द्वारा नगर निगम कर्मचारियों की बेसबाल के बैट से पिटाई ने सुर्खियां बटोरी थीं। बिजली, राजस्व, आबकारी और परिवहन जैसे अमलों के अधिकारियों कर्मचारियों के पिटने की घटनाएं जब तब खबरें बनती रहती हैं।

सवाल उठना लाजिमी है। आखिर इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का कारण क्या है निर्विवाद तथ्य है कि कानून का तंत्र दंड के भय की बिना पर ही चलता है। दुनिया की कोई भी व्यवस्था हो, हर आदमी के पीछे एक पुलिस वाला लगाने की क्षमता नहीं रखती। ऐसा विचार ही हास्यास्पद है। दंड का भय ही लोगों को अपराध करने से रोकता है। एक जमाना था जब पुलिस पर हाथ उठाना तो छोड़िए, गिरहबान पर हाथ डालने में भी अपराधी थर-थर कांपते थे। ताज़ा घटनाएं बताती हैं यह भय गायब हो रहा है। इसके पीछे के प्रमुख संभावित कारणों में से एक है राजनीतिक संरक्षण। किसी भी गंभीर कार्यवाही के पहले व्यवस्था नेताओं का मुंह ताकती नजर आती है। संगठित अपराध से कमाया जाने वाला पैसा दूसरी प्रमुख वजह है। अपराधी जानता है, पैसे की दम पर न्याय दंड से बचना कितना सरल है। मुकदमे सालों चलते हैं, पैसे और भय की ताकत पर गवाहों से बयान बदलवाए जाते हैं और अपराधी साफ़ छूट जाते हैं।

राजनीति का अपराधीकरण एक और महत्वपूर्ण कारण है। प्रतिष्ठित संस्था एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 28 राज्यों और टीम केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के विश्लेषण से निकला ताजा विश्लेषण बताता है कि देश के कुल 4092 विधायकों में से 45त्न के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज है जिनमें से 1200 से अधिक हत्या अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामलों से संबंधित है। नेतागण इसे राजनीतिक प्रतिशोध का बहाना बताते हैं और जब तक साबित नहीं तब तक अपराधी नहीं के न्यायिक सिद्धांत के झंडे तले ताकत में बने रहते हैं। कहने को इन मामलों के लिए विशिष्ट अदालतें हैं मगर कानून की पतली गलियों से बचकर निकलने या मामले लटकाए रखने के रास्ते ढूंढ़ लिए जाते हैं।

न्याय दंड के भय में कमी से समाज में उच्छृंखलता बढ़ रही है। नेताओं और अपराधियों में ताकत और पैसे का अहंकार चरम पर है।यकीनन सारे नेता ऐसे नहीं हैं, बेदाग और निर्विवाद भी हैं। मगर लगता है कि संख्या बल में कमी के आगे अपनी बात रखने में मजबूर हैं। राजनीति वोट की ताकत पर चलती है और अपराधियों ने भय और राबिनहुडी धर्मात्मा की छवि बनाकर वोट बैंक की ताकत जुटाना सीख लिया है। ऐसे में वे नेताओं की कमजोरी बन गए हैं।

तस्वीर भयावह है और जितनी जल्दी हो सके बदलनी चाहिए। अगर पुलिस जैसा ताकतवर महकमा भी गिरते मनोबल का शिकार हो गया तो जन सामान्य की सुरक्षा व्यवस्था का भगवान ही मालिक होगा। शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व जितनी जल्दी पहल करे उतना अच्छा होगा। इस मामले में देर की गुंजाइश खत्म हो गई है।

रमज़ान : सांप्रदायिक एकता और सह-अस्तित्व का प्रतीक

रेशम फातिमा

इस्लाम में सबसे पवित्र महीना रमज़ान सिर्फ़ उपवास और प्रार्थना का समय नहीं है, बल्कि यह सांप्रदायिक सद्भाव,शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और साझा सांस्कृतिक विरासत के आदर्शों को खूबसूरती से दर्शाता है। दुनिया भर में लाखों मुसलमान इस पवित्र महीने का पालन करते हैं, एकजुटता, करुणा और आपसी सम्मान की भावना धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करती है, जिससे एकता और समझ का माहौल बनता है। रमज़ान मुख्य रूप से आत्म-अनुशासन, भक्ति और आध्यात्मिक विकास का समय है। सुबह से शाम तक उपवास करने से वंचितों के प्रति सहानुभूति बढ़ती है, दान और उदारता के मूल्यों को बल मिलता है। परिवार, पड़ोसियों और यहाँ तक कि अजनबियों के साथ इफ्तार साझा करने का कार्य सामाजिक बंधन को मजबूत करता है और गर्मजोशी और समावेशिता का माहौल बनाता है। रमज़ान के दौरान ज़कात (दान) का अभ्यास सामाजिक एकजुटता को और बढ़ावा देता है। लोग धार्मिक संबद्धता की परवाह किए बिना ज़रूरतमंदों की भलाई में योगदान देते हैं। कम भाग्यशाली लोगों के प्रति ज़िम्मेदारी की यह साझा भावना इस विचार को पुष्ट करती है कि मानवता सभी विभाजनों से ऊपर है। दुनिया भर में, रमज़ान सांप्रदायिक सद्भाव के लिए एक सेतु का काम करता है, जो विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच समझ को बढ़ावा देता है। कई गैर-मुस्लिम दोस्त, सहकर्मी और पड़ोसी अपने मुस्लिम समकक्षों के साथ एक दिन के लिए उपवास करते हैं या एकजुटता के संकेत के रूप में इफ़्तार दावतों में शामिल होते हैं। दयालुता और आपसी सम्मान के ऐसे कार्य पूर्वाग्रहों को तोड़ते हैं और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देते हैं। विभिन्न धार्मिक आबादी वाले देशों में, रमज़ान का जश्न अक्सर समाज के सांस्कृतिक ताने- बाने में घुलमिल जाता है। उदाहरण के लिए, भारत में, इफ़्तार समारोहों में विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ आते हैं, भोजन का आदान-प्रदान करते हैं और एकता का सार मनाते हैं। मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों का अपने मुस्लिम भाइयों के लिए इफ़्तार का आयोजन करना देश की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है। रमज़ान सिर्फ़ धार्मिक अनुष्ठानों के बारे में नहीं है; इसका एक गहरा सांस्कृतिक महत्व भी है। इस महीने से जुड़ी परंपराएँ- जैसे विशेष व्यंजन बनाना, लोक प्रार्थनाएँ पढ़ना,और त्यौहारी बाज़ारों में भाग लेना-पीढ़ियों से चली आ रही एक समृद्ध विरासत को दर्शाता है। पुरानी दिल्ली और हैदराबाद के चहल-पहल भरे बाज़ारों से लेकर काहिरा और इस्तांबुल के रमज़ान बाज़ारों तक, यह महीना शहरों को संस्कृति और परंपरा के जीवंत केंद्रों में बदल देता है। संगीत, कविता और कहानी सुनाना भी विभिन्न संस्कृतियों में रमज़ान के उत्सवों का अभिन्न अंग है। भारत के कुछ हिस्सों में, पारंपरिक ढोल वादक लोगों को सुहूर (सुबह का भोजन) के लिए जगाते हैं, जबकि दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में, रमज़ान-थीम वाली कविता सत्र समुदायों को एक साथ लाते हैं। ये सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ धार्मिक सीमाओं से परे जाती हैं, एक साझा अनुभव बनाती हैं जिसे सभी लोग संजोते हैं। रमज़ान का सार शांति, धैर्य और कृतज्ञता के संदेश में निहित है। यह महीना लोगों को मतभेदों से ऊपर उठना और मानवता को एक साथ बांधने वाली समानताओं को अपनाना सिखाता है। समझ और करुणा को बढ़ावा देकर, रमज़ान एक अधिक सामंजस्यपूर्ण दुनिया बनाने के लिए आवश्यक मूल्यों का उदाहरण है। ऐसे युग में जहाँ विभाजन अक्सर कथाओं पर हावी होते हैं, रमज़ान एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व न केवल संभव है, बल्कि आवश्यक भी है। यह एक ऐसा समय है जब सभी के लिए दरवाजे खोले जाते हैं, बिना किसी भेदभाव के भोजन साझा किया जाता है, और धर्म, जाति या पंथ की बाधाओं से परे दिल जुड़ते हैं। जैसा कि अर्धचंद्र एक और धन्य रमज़ान की शुरुआत का प्रतीक है, यह सभी मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक सद्भाव की सच्ची भावना को अपनाने, साझा सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और एक ऐसी दुनिया की दिशा में काम करने का अवसर है जहाँ शांति और एकता विभाजन और कलह पर विजय प्राप्त करती है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध में परास्नातक
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

रुपये के चिह्न को लेकर विवाद:भाषा का सम्मान या राजनीति का हथकंडा

केवल वाद विवाद से हल नहीं निकलेगा। संविधान में ये कानून होना चाहिए कि कोई भी राज्य या राज्य सरकार राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग की जाने वाली या मानी जाने वाली वस्तुओं पर अपने से निजी परिवर्तन नहीं कर सकती। ऐसा किया जाना देश द्रोह माना जाए और ज़िम्मेदार व्यक्ति को पदच्युत किया जाए। रुपये के चिह्न को लेकर विवाद सिर्फ़ भाषा और सांस्कृतिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक खेल भी दिखाई देता है।

डॉ सत्यवान सौरभ

क्षेत्रीय दल, विशेष रूप से द्रविड़ मुनेत्र कषगम, इस मुद्दे को उठाकर न केवल तमिल अस्मिता को मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि केंद्र सरकार की भाषा नीति और हिन्दी वर्चस्व के खिलाफ अपने पारंपरिक रुख को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम पहले भी हिन्दी थोपने के विरोध में और तमिल भाषा की पहचान को बचाने के लिए मुखर रही है। अब रुपये के चिह्न को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने आपत्ति जताई है। पार्टी का कहना है कि इस चिह्न में भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से दक्षिण भारतीय पहचान को उचित स्थान नहीं दिया गया है। भारतीय मुद्रा के चिह्न को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों की आपत्ति क्या वाकई भाषा से जुड़ा विवाद है, या फिर यह सिर्फ़ एक राजनीतिक रणनीति इस सवाल के कई पहलू हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और कुछ अन्य दक्षिण भारतीय दलों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी के र अक्षर से प्रेरित है, जो हिन्दी को प्राथमिकता देता है और अन्य भारतीय भाषाओं की अनदेखी करता है। हालांकि, इस चिह्न को डिज़ाइन करने वाले उदय कुमार धरणी (आईआईटी गुवाहाटी) का कहना था कि इसका डिज़ाइन देवनागरी र और रोमन ऋदोनों से प्रेरित है, ताकि भारतीय और वैश्विक पहचान का मिश्रण दिखाया जा सके। द्रविड़ मुनेत्र कषगम लंबे समय से हिन्दी थोपने के खिलाफ रही है। 1965 में हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ तमिलनाडु में बड़े आंदोलन हुए थे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने पहले भी नीट परीक्षा, नई शिक्षा नीति और सरकारी नौकरियों में हिन्दी प्राथमिकता का विरोध किया है। अब रुपये के चिह्न को लेकर विवाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम के उसी एजेंडे का विस्तार है। रुपये के चिह्न में हिन्दी प्रभाव-द्रविड़ मुनेत्र कषगम का मानना है कि चिह्न देवनागरी लिपि के (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है, जबकि भारत की अन्य भाषाओं की उपेक्षा होती है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और तमिलनाडु के कुछ अन्य संगठनों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी लिपि के र से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है और अन्य भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से द्रविड़ भाषाओं

(तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) को उपेक्षित किया गया है। उनका मानना है कि मुद्रा का चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। दक्षिण भारतीय राज्यों में हिन्दी थोपने के खिलाफ पहले से ही एक मज़बूत भावना मौजूद है और यह विवाद उसी का विस्तार माना जा सकता है। पार्टी का तर्क है कि भारत की मुद्रा का प्रतीक चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और अन्य तमिल संगठन मानते हैं कि तमिल समेत दक्षिण भारतीय भाषाओं को केंद्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और तमिलनाडु की अन्य पार्टियाँ हिन्दी थोपने के विरोध में कई बार आंदोलन कर चुकी हैं। पार्टी लगातार इस बात की वकालत करती रही है कि केंद्र सरकार किसी एक भाषा (विशेषकर हिंदी) को बढ़ावा देने के बजाय सभी भारतीय भाषाओं को समान महत्त्व दे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम की राजनीति तमिल पहचान और केंद्र के हिंदी वर्चस्व के खिलाफ विरोध के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह मुद्दा 1960 के दशक में हिन्दी विरोधी आंदोलनों से शुरू हुआ था और अब तक जारी है। 2010 में जब चिह्न को अपनाया गया, तब भी यह बहस उठी थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम द्वारा इस मुद्दे को फिर से उछालना एक राजनीतिक रणनीति हो सकती है, ताकि तमिल अस्मिता को लेकर अपनी स्थिति मज़बूत की जा सके और केंद्र सरकार की भाषा नीतियों के खिलाफ जनता को लामबंद किया जा सके। हालांकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कुछ आपत्तियाँ तर्कसंगत हो सकती हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से भाषा का मुद्दा मानना भी सही नहीं होगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम केंद्र की नीतियों के खिलाफ अपनी स्थिति मज़बूत करने और क्षेत्रीय राजनीति को धार देने के लिए ऐसे मुद्दों को उभारती है। यह विवाद तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के हिंदी-हिंदू एजेंडे का विरोध करने का एक तरीक़ा भी हो सकता है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम का यह विरोध मुख्य रूप से उसकी तमिल पहचान की राजनीति का हिस्सा है। पार्टी तमिलनाडु में क्षेत्रीय अस्मिता को मज़बूत करने और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करने के लिए ऐसे मुद्दों को उठाती रहती है। चिह्न किसी एक भाषा का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। पहले से ही यह चिह्न पूरे देश में स्वीकार किया जा चुका है, इसलिए अब इसे बदलने की कोई व्यावहारिक ज़रूरत नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांकः- MPHIN/2013/52452

हिट एण्ड रन मोटर दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 23 प्रकरण स्वीकृत

योजना के तहत घायलों को 50 हजार एवं मृतक के परिजनों को 2 लाख रूपए की सहायता का प्रावधान

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 के तहत ग्वालियर जिले के 23 प्रकरणों में कलेक्टर रुचिका चौहान ने स्वीकृति प्रदान की है। इनमें 13 प्रकरण सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के एवं 10 प्रकरण दुर्घटना में मृत जनों के स्वीकृत किए गए हैं। योजना के तहत घायलों को 50 हजार रूपए तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को 2 लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है। कलेक्टर रुचिका चौहान की अध्यक्षता में हिट एण्ड रन मोटर दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में एडिशनल एसपी श्री कृष्ण लालचंदानी, एडीएम श्री टी एन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सर्वश्री अशोक चौहान, अतुल सिंह, विनोद सिंह, संजीव जैन सहित इंश्योरेंस के अधिकारीगण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही जिले के अन्य अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी ऑनलाइन शामिल हुए। कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कुल 23 प्रकरण रखे गए, जिनमें से 13 प्रकरण घायलों के एवं 10 प्रकरण सड़क दुर्घटना में मृतक होने पर सहायता हेतु प्रस्तुत हुए। इन प्रकरणों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान कर जनरल इंश्योरेंस काउंसिल मुम्बई की ओर भेजा गया है।

गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक होगा पंजीयन

समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिये ग्वालियर व चंबल संभाग में अब तक 72 हजार 676 से ज्यादा किसान पंजीयन करा चुके हैं। जिन किसान भाईयों ने अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, उनसे 31 मार्च तक पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उपार्जन खरीदी केन्द्रों पर 5 मई तक किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की दर 2600 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जायेगा। ग्वालियर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए ग्वालियर में 5 हजार 880, दतिया में 7 हजार 680, शिवपुरी में 8 हजार 662, गुना में 8 हजार 446 व अशोकनगर जिले में अब तक 12 हजार 557 किसान पंजीयन करा चुके हैं।

विधिक साक्षरता शिविर लगाकर बंदियों को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

केन्द्रीय कारागार में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

केन्द्रीय कारागार में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर पी सी गुप्ता के निर्देशानुसार विधिक साक्षरता शिविर लगाकर बंदियों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रियंक भारद्वाज के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जेल अधीक्षक विदित सिरबैया के सहयोग से इस विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 39ए की मंशा अनुरूप विधिक सेवा प्राधिकरण 1987 लागू हुआ, जिसमें यह व्यवस्था की गई है किसी भी आर्थिक या अन्य निर्योग्यता के कारण कोई भी व्यक्ति सक्षम न्याय पाने वंचित नहीं होगा। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए तहसील न्यायालय से लेकर माननीय उच्चतम न्यायालय तक प्रत्येक प्रक्रम पर नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए विधिक सेवा संस्थान कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने प्री बार्गेनिंग (सौदा अभिवाक) के बारे में भी जानकारी दी तथा बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया। शिविर में वरिष्ठ जेल उपाधीक्षक अनिरुद्ध सिंह नरवरिया, सहायक जेल अधीक्षक विपिन दंडौतिया, प्रवीण त्रिपाठी सहित बंदीगण उपस्थित रहे।

किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये आरआई सर्किल स्तर पर बनायें गेहूं उपार्जन केन्द्र

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता रबी विपणन की बैठक आयोजित

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं के उपार्जन की तैयारियों के तहत कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि गेहूं के उपार्जन, भंडारण व परिवहन की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जायेगी।

साथ ही कहा कि रबी उपार्जन को सुचारू व पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिये इस बार 31 आरआई सर्किल स्तर पर आवश्यकता अनुसार तीन या चार उपार्जन केन्द्र स्थापित किये जायें। जिसमें तीन हजार मेट्रिक टन का व खाली गोदामों को प्राथमिकता क्रम में लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें भी सुनिश्चित की जायें। गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को लेकर संबंधित अधिकारी तत्परता व जबावदारी से कार्य करें। बैठक में अपर कलेक्टर सु मिशा सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जन-सुनवाई ने दिया सहारा, कलेक्टर चौहान ने रजनी को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 124 लोगों की समस्याओं का सुना

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

बिटिया के इलाज के लिये मदद की आस में पहुँचीं रजनी को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई ने सहारा दिया है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने न केवल रजनी को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई, बल्कि अंगुलियों के निशान के मिलान न होने से आधार कार्ड बनने में आ रही दिक्कत को भी दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में पहुँचीं डबरा निवासी रजनी ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कलेक्टर चौहान को बताया कि घर से बाहर खेलते समय किसी अज्ञात वाहन से मेरी बेटी आरती घायल हो गई थी। मजदूरी से मेरे परिवार का गुजारा चलता है, मुझे तत्काल आर्थिक मदद की जरूरत है। कलेक्टर ने रजनी को आर्थिक सहायता तो उपलब्ध कराई ही। साथ ही कहा कि आपका आयुष्मान कार्ड भी बनवा दिया जायेगा। कलेक्ट्रेट में आयोजित जन-सुनवाई में इस बार 124 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 124 आवेदनों में से 58 दर्ज किए गए। शेष 66 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी जन-सुनवाई में कराया गया।

एलीवेटेड रोड मार्ग के अतिक्रमण हटवाएं, काम तेजी से चल सके,एएसआई की अनुमति भी जल्द प्राप्त करें

कलेक्टर चौहान ने बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

एलीवेटेड रोड का काम तेजी से चल सके, इसके लिये सभी बाधायें तत्परता से दूर कराएँ। एलीवेटेड रोड निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटवाएं। साथ ही एलीवेटेड रोड निर्माण के लिये एएसआई (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) की अनुमति भी जल्द से जल्द प्राप्त की जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने एसडीएम लश्कर व सेतु निगम के कार्यपालन यंत्री को दिए। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर चौहान ने विभिन्न परियोजनाओं एवं शासकीय प्रयोजनों के लिये चिन्हित जमीन की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही राज्य शासन के निर्देशों के तहत शासकीय परियोजनाओं के लिये शीघ्रता से जमीन उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने भू-अर्जन संबंधी कार्रवाई दो माह में पूर्ण करने के निर्देश सभी राजस्व अधिकारियों को दिए। कलेक्टर चौहान ने एलीवेटेड रोड के अंतर्गत हजीरा के समीप एक्स्ट्रा लेग निर्माण के लिये तानसेन मकबरा के समीप व फूलबाग लूप के निर्माण के लिये भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से जल्द से जल्द अनुमति प्राप्त करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री सेतु निगम को दिए। उन्होंने भू-अर्जन की समीक्षा के दौरान जोर देकर कहा कि भू-अर्जन के सभी प्रस्ताव आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किए जाएं, जिससे भू-अर्जन की कार्रवाई जल्द से जल्द पूर्ण की जा सके। बैठक में कार्यपालन यंत्री सेतु निगम श्री जोगिंदर सिंह यादव, एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव, एसडीएम झाँसी रोड श्री विनोद सिंह व एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्री सूर्यकांत त्रिपाठी एवं एसडीओ सेतु निगम श्री प्रबल सिसौदिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के भ्रमण सदस्यों ने उदयगिरी गुफाओं का भ्रमण किया

स्वसहायता समूहो की प्रगति व नवाचारों से अवगत हुए

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के भ्रमण सदस्यों ने विदिशा जिले के प्रवास के दौरान ऐतिहासिक उदयगिरी गुफाओं को देखा और स्व-सहायता समूहो के माध्यम से महिलाओं के जीवन में आए आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन की जानकारी उन्हीं कि जुबानी सुनी और उनका हौंसला अफजाई किया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने दल का नेतृत्व कर रहे मेजर मुकेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का स्वागत किया।

जिला पंचायत के सभागार कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहो के माध्यम से जीवन में हो रहे परिवर्तन को समूहो की महिला सदस्यों ने बे-टोक बिंदास होकर स्थानीय बोली में विस्तारपूर्वक जानकारी दी है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने नेशनल डिफेंस अकादमी के सभी सदस्यों को विदिशा जिले में आत्म निर्भर के क्षेत्र को बढावा देने के लिए आमजनों के पुर्नत्थान खासकर महिलाओं के सर्वागीण विकास को कैसे मूर्तरूप दिया जाए इसके लिए किए जा रहे नवाचारो की ख्याति प्रदेश ही नही वरन् देश में हो रही है उन्होंने पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विदिशा जिले की भौगोलिक परिस्थितियां, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वरोजगा को बढावा देने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभांवितो के जीवन में आए परिवर्तन वहीं नीति आयोग द्वारा निर्धारित पैरामीटरो में उच्च स्तरीय क्रियान्वित गतिविधियों के परिणाम स्वरूप देश स्तरीय प्रवीण्य रैकिंग सूची में विदिशा जिला शामिल है। यही कारण है कि जिले के पांच करोड की अतिरिक्त राशि अवार्ड के रूप में नीति आयोग द्वारा प्रदाय की गई है।

गेहूँ के भंडारण हेतु चिन्हित गोदामों की सूची पुन: प्रकाशित

19 मार्च की दोपहर 12 बजे तक आपत्तियां आमंत्रित

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से समर्थन मूल्य पर उपार्जित किये जाने वाले गेहूँ के भंडारण हेतु मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन के जिला प्रबंधक द्वारा 15 मार्च तक प्राप्त हुई आपत्तियों के निराकरण के बाद चिन्हित वेयरहाउस एवं गोदामों की सूची वरियता क्रमानुसार पुन: तैयार कर कलेक्टर कार्यालय को प्रस्तुत की गई है। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा ने गोदामों और वेयरहाउस की इस संशोधित सूची पर 19 मार्च की दोपहर 12 बजे तक आपत्तियां आमंत्रित की हैं। चिन्हित वेयरहाउस एवं गोदामों की संशोधित सूची का प्रकाशन जिला प्रशासन जबलपुर की बेवसाईट पर किया गया है। सूची जिला आपूर्ति नियंत्रक, जिला प्रबंधक मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन एवं कृषि उपज मंडी कार्यालय में भी चस्पा की गई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई के मुताबिक यदि सूची में उल्लेखित वेयर हाउसों एवं गोदामों के प्राथमिकता क्रम के निर्धारण के संबंध में अथवा किसी अन्य बिन्दु पर किसी भी व्यक्ति को यदि कोई आपत्ति है तो वह अपनी लिखित आपत्ति 19 मार्च की दोपहर 12 बजे तक जिला आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के ई-मेल एड्रेस अथवा जिला प्रबंधक कार्यालय मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन के ई-मेल एड्रेस के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि इसके पूर्व समर्थन मूल्य पर उपार्जित किये जाने वाले गेहूं के भंडारण हेतु वेयर हाउसों एवं गोदामों की वरीयता क्रमानुसार तैयार की गई सूची पर 15 मार्च की दोपहर 12 बजे तक आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त आपत्तियों के निराकरण के बाद गोदामों की रिक्तता के आधार पर जिला प्रबंधक मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कार्पोरेशन द्वारा संशोधित वरीयता क्रमानुसार सूची तैयार की गई है।

मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जन समुदाय के लिए लू से बचाव के लिए एडवायजरी जारी की

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मार्च से मई माह का तापमान औसत से अधिक होने की संभावना

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जन-समुदाय को लू (तापघात) के प्रकोप से बचने के लिए एडवायजरी जारी की गई है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी दृष्टीकोण के अनुसार मार्च से मई माह का तापमान औसत से अधिक होने की संभावना है। जिस कारण लू की स्थिति निर्मित हो सकती है। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी में जन सामान्य को लू से बचाव हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला गया है। एडवाइजरी के मुताबिक् पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय जैसे लस्सी , नीबू पानी, आम का पना का सेवन करने से लू से बचा जा सकता है। इसके साथ ही धूप में निकलते समय सिर ढककर रखना चाहिए। धूप में निकलते समय कपड़े, टोपी या छतरी का उपयोग करना चाहिए। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करना चाहिए और शरीर में पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सूर्य दाह या सनबर्न होने पर प्रभावित को त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, सिरदर्द के लक्षण प्राप्त होने पर उसे बार-बार नहलाना चाहिए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज ड्रेसिंग करनी चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए। ताप के कारण शारीरिक ऐठन, पैर एवं पेट की मांसपेशियों तथा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफ और अत्यधिक पसीना आने पर प्रभावित को तत्काल छाँवदार स्थल पर ले जाना चाहिए। शरीर का वह भाग जहां ऐंठन हो रही हो, उसे जोर से दबाना चाहिए और धीरे-धीरे सहलाना चाहिए। लू लगाने पर प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना भी पिलाया जा सकता है। इस दौरान प्रभावित को उबकाई आने पर शीतल पेय पिलाना तुरंत बंद कर देना चाहिए और उसे फ़ौरन नजदीकी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र पर ले जाना चाहिए। इसके अलावा अत्यधिक थकावट एवं शारीरिक खिचाव का अनुभव होने की स्थिति में प्रभावित को अत्यधिक पसीना, कमजोरी, सिरदर्द, शरीर ठंडा और पीला पड़ जाने एवं नब्ज कमजोर पड़ जाने, मूर्छित हो जाने और उल्टी जैसे लक्षण प्राप्त होने पर प्रभावित को छायादार स्थल पर लिटा कर शरीर पर ठंडे और गीले कपड़े से स्पंजिंग करना चाहिए।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों को लेकर समीक्षा बैठक 20 मार्च को

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के लिये संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने 20 मार्च को संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाई है। इस दिन यह बैठक अपरान्ह 4.30 बजे संभाग आयुक्त कार्यालय के सभागार में रखी गई है। ज्ञात हो इस माह 24 मार्च को समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम निर्धारित है।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मण्डल की बजट बैठक 20 मार्च को

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मण्डल की बजट बैठक 20 मार्च को आयोजित होगी। इस दिन यह बैठक संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में प्रातः 11.30 बजे संभाग आयुक्त कार्यालय के सभागार में रखी गई है।

जनसुनवाई में आये 140 आवेदन

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड और अन्य अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों ने अपने विभिन्न समस्याओं को लेकर 140 आवेदन दिये। जिसमें 86 नये आवेदन हैं तथा 54 ऐसे आवेदन है जो पूर्व में भी आ चुके थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर नामांतरण, बंटवारा, अतिक्रमण, लाड़ली बहना के पैसे दिलाने, छात्रवृत्ति भुगतान, स्कूल से टीसी दिलाने, पानी, नाली सफाई, आर्थिक सहायता, पीएम किसान योजना में नाम जोड़ने, अभिलेख दुरूस्त करने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, शिक्षा, समग्र आईडी, चिकित्सा सहायता, पेंशन, संबल राशि दिलाने, आवास योजना का लाभ दिलाने, बीपीएल कार्ड बनवाने आदि से संबंधित आवेदन थे। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री गोंड ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित कि लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता में लेकर निराकरण करें।

एम.पी. ट्रांसको के 3 हजार 878 आउटसोर्स कर्मियों के बनाये गये आयुष्मान कार्ड

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। भारत सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्य कर रहे पात्र आउटसोर्स कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाये जा रहे हैं। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि भारत सरकार की इस योजना का मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि विभिन्न सबस्टेशनों और लाइन मेंटेनेन्स में कार्य करने वाले 5 हजार 919 आउटसोर्स कर्मियों में से इस योजना के लिये पात्र 3 हजार 878 कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों में जोखिम का कार्य करने वाले कर्मियों के लिये यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य योजना के अतिरिक्त है। इसके अलावा आउटसोर्स कान्ट्रेक्टर्स द्वारा भी किसी बीमा कंपनी, बैंक या पोस्ट ऑफिस के माध्यम से 5 लाख रुपये का जोखिम बीमा एम.पी. ट्रांसको की शर्तों व अनुबंध के अनुसार कराया जाता है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 को

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया जाएगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक नुजहत बानो बकाई ने बताया कि विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन 15 मार्च को आयोजित किया जाना था, जिसे होली के त्यौहार में अवकाश होने की वजह से स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण से सम्बंधित विभिन्न क्रियाकलापों एवं जानकारियों का संचार करती आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला 29 एवं 30 मार्च को आयोजित

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। शासन की कृषि संबंधी योजनाओं के प्रचार प्रसार व नवीनतम कृषि तकनीक के प्रति जागरूकता के लिये किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 29 एवं 30 मार्च को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में दो दिवसीय संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला का आयोजन किया जा रहा है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने बताया कि मेले में 150 से अधिक स्टाल लगाए जायेंगे। जिसमें पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, वन विभाग, दुग्ध संघ, मंडी बोर्ड, बीज निगम, एपीईडीए, ऊर्जा विकास निगम, उर्वरक, बीज, कीटनाशक, एसएचजी एवं एफपीओ आदि विभाग भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि लघु धान्य फसलों को आमजनों की थाली तक पहुंचाने के लिए मेले में फ्रूड कोर्ट भी लगाया जाएगा, जहां आगंतुक मिलेट से सम्बंधित स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठा सकेंगे।

न्यायाधीशगणों ने जिला जेल का निरीक्षण किया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में जिला जेल विदिशा का न्यायाधीशगणो द्वारा निरीक्षण किया गया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रमाकांत भारके और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर बंदियो से संवाद कर न्याय प्राप्ति के लिए शासन द्वारा मुहैया कराई जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। भ्रमण के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री भारके ने जेल की रसोई, खाने की व्यवस्था का निरीक्षण किया साथ ही साफ सफाई और जेल में संधारित विभिन्न पंजियों का अवलोकन किया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री तोमर ने जेल में निरूद्ध बंदियो से उनके प्रकरणो के बारे में चर्चा की और उन्होंने जाना कि सभी के पास अधिवक्ता है कि नहीं। यदि किसी बंदी को शासकीय अधिवक्ता की जरूरत पडती है तो नियमानुसार नि :शुल्क उपलब्ध कराए जाने के प्रावधानो से भी अवगत कराया है। जेल अधीक्षक श्री प्रियदर्शन श्रीवास्तव ने जिला जेल विदिशा के विभिन्न बंदी वार्ड की जानकारी देते हुए बताया है कि कुल 267 बंदीगण निरूद्ध है जिसमें विचाराधीन 171 एवं सजायाफ्ता 96 शामिल है।

ठेकेदार सुरेश समेत चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल, जनवरी में हुई थी मुकेश चंद्राकर की हत्या

सुरेश चंद्राकर कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खबर नाराज होकर करवाई हत्या

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में ठेकेदार सहित चार आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने बताया कि 1,200 पन्नों के आरोप पत्र में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर, रितेश चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके का नाम शामिल है। एसआईटी का नेतृत्व कर रहे गुर्जर ने बताया कि जांच के दौरान डिजिटल और भौतिक साक्ष्यों की सावधानी पूर्वक जांच की गई और उन्हें केस डायरी में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि चारों आरोपियों को अदालत से कड़ी से कड़ी सजा मिले। दरअसल 33 वर्षीय स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर एक जनवरी को लापता हो गए थे। दो दिन बाद उनका शव बीजापुर शहर में सुरेश चंद्राकर की जमीन पर बने सेप्टिक टैंक में मिला था। इस मामले में सुरेश मुख्य आरोपी है। बाद में उसके भाइयों रितेश चंद्राकर और दिनेश चंद्राकर और सुपर वाइजर महेंद्र रामटेके को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया।

सुरेश चंद्राकर पत्रकार मुकेश चंद्राकर द्वारा बीजापुर में उसके सड़क निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली खबर प्रकाशित करने के बाद नाराज था, जिसके चलते उसने मुकेश की हत्या करवा दी। मुकेश एक न्यूज चैनल के लिए स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम करते थे और बस्तर जंक्शन नामक यूट्यूब चैनल भी चलाते थे।

प्राइवेट सेक्टर में युवाओं को नौकरी का अवसर, 20 मार्च को प्लेसमेंट कैंप, 128 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर (एजेंसी)। प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। विभिन्न क्षेत्रों में 128 पदों पर भर्ती होगी। रायगढ़ में 20 मार्च को सुबह साढ़े दस बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। जिसके तहत युवाओं को नौकरी का सुनहरा अवसर मिल सकता है। निजी क्षेत्र की रिक्तियों में प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 20 मार्च जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जिला रायगढ़ में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें रिक्त विभिन्न 128 पदों पर भर्ती होगी। इच्छुक एवं योग्यताधारी आवेदक समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं रिज्यूम के साथ उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में भाग ले सकते हैं। विस्तृत जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायगढ़ से प्राप्त की जा सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, अदानी पावर लिमिटेड छोटे भंडार रायगढ़ में अप्रेन्टिसशिप के 9 पद, मां मंगला इस्पात प्रालि रायगढ़ में सीनियर फिटर (मैके.), वेल्डर एंड कटर, आरएमपी ऑपरेटर, शिफ्ट इंचार्ज , इलेक्ट्रिशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं कुक, मे.गोयल मोटोकॉर्प प्रा.लि.रायगढ़ में सेल्स हेड, एचआरए मैनेजर, फाइनेंस मैनेजर, एकाउंस मैनेजर, मार्केटिंग एंड इंस्टीट्यूशन मैनेजर, सेल्स टीम लीडर, ओल्ड कार एक्सचेंज मैनेजर, सेल्स कन्सल्टेंट, वर्कशॉप फ्लोर मैनेजर, वारंटी मैनेजर, मैकेनिक असिस्टेंट मैकेनिक, सर्विस एडवाईजर, कार ड्राईवर, मे.वेक्टर फायनेंस प्रा.लि.में कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर एवं प्रोजेक्टर मैनेजर तथा मे.टैंगो सिक्युरिटी सर्विसेंस प्रा.लिमि.रायपुर में सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा सुपरवाईजर के पद रिक्त है।

यात्री बस पलटने से 34 यात्री घायल, बाइक सवार को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

बस बरमकेला से बिलासपुर के लिए निकली थी, जिसमें 40 से 45 यात्री सवार थे

जांजगीर चांपा (एजेंसी)। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम लोहर्षी में आदर्श यात्री बस सड़क किनारे पलट गई। यह बस बरमकेला से बिलासपुर के लिए निकली थी, जिसमें 40 से 45 यात्री सवार थे। हादसे में 34 यात्रियों को चोट आई है जबकि सात घायल यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम लोहर्षी में आदर्श यात्री बस सड़क किनारे पलट गई। यह बस बरमकेला से बिलासपुर के लिए निकली थी, जिसमें 40 से 45 यात्री सवार थे। हादसे में 34 यात्रियों को चोट आई है जबकि सात घायल यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना शिवरीनारायण थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार आदर्श यात्री बस बरमकेला से बिलासपुर जाने के निकली थी, इस दौरान वह शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम लोहार्षी हाई स्कूल के पास बाइक सवार को बचाने के दौरान बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया जिससे वह सड़क के किनारे पलट गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीखपुकार मच गई।

वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। सात घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं घायलों के परिजनों को मामले की जानकारी दे दी गई है।

ऑडियो की जांच कराई जाए, कानूनी नोटिस भेजूंगा : हितानंद अग्रवाल

साजिश में यूट्यूब पत्रकार भी शामिल है

कोरबा (एजेंसी)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल और उनके खास सहयोगी बद्री अग्रवाल के वायरल ऑडियो को लेकर सियासत गरमाई हुई है। इस घटना के बाद हितानंद अग्रवाल का बयान सामने आया है। हितानंद ने कहा कि इस ऑडियो की जांच कराया जाए। मुझे फंसाने और मेरी छवि धूमिल करने साजिश की जा रही है। इसकी शिकायत उन्होंने बालको थाना पुलिस से की है। इस मामले को लेकर भाजपा की जांच टीम कोरबा पहुंचने वाली है। पार्षदों का बयान और दोनों ही पक्ष से पूछताछ की जाएगी। हितानंद अग्रवाल ने कहा मेरा परिवार जनसंघ के समय से पार्टी से जुड़ा हुआ है। मैं भाजपा का सच्चा सिपाही हूं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने वायरल ऑडियो क्लिप को एक यूट्यूब पत्रकार और कुछ तथाकथित नेताओं की साजिश बताया है। उन्होंने कहा सभापति चुनाव और पूर्व की बातों को लेकर ऑडियो क्लिप तैयार किया गया है। जिसे अब वायरल किया जा रहा है। वायरल ऑडियो जिसमें लेनदेन की बात की जा रही है। ये ऑडियो और प्रकाशित खबर पूरी तरह से पैसे लेकर छवि धूमिल करने के इरादे से बनाई गई है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में गांजे की तस्करी हो रही है

छत्तीसगढ़ में मिली नशे की बड़ी खेप, एक करोड़ का गांजा जब्त, टेप में लिपटे मिले कई पैकेट

कोरबा (एजेंसी)। कटघोरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जहां वाहन में तस्करी करते हुए पुलिस ने गांजा भारी मात्रा में जब्त किया है। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। वहीं पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस की माने तो इस मामले में बड़ा खुलासा हो सकता है। बताया जा रहा है कि माजदा वाहन के कंटेनर वाहन में गांजा की तस्करी की जा रही थी। जहां पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली। वो घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा। उसके बाद जब पुलिस ने उस वाहन की चेकिंग की तो पुलिस वालों की आंख खुली की खुली रह गई। भारी मात्रा में भूरे कलर के टेप में गांजा बंधा हुआ था। तत्काल इस मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसकी सूचना उच्च अधिकारियों के दी। जांच अभी भी जारी है। सूत्रों की मानें तो ओडिशा से उत्तर प्रदेश खपाने जा रहे थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भारी मात्रा में गांजे की तस्करी जारी है। जहां तत्काल पुलिस अलर्ट मोड में आ गई। वाहन की घेरा बंदी शुरू कर दी गई। बताया जा रहा कि मुखबिर की सूचना पर कटघोरा पुलिस ने घेराबंदी कर सुतर्रा रापाखर्रा पुल के पास पकड़ा कंटेनर वाहन से पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। सूत्रों की मानें तो कंटेनर वाहन चालक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया गांजा 500 किलो के आसपास है। जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ के आस पास बताई जा रही है। कटघोरा पुलिस वाहन चालक से पूछताछ कर रही है। सूत्रों की मानें तो काफी लंबे समय से चल रहा गांजा तस्करी का खेल चल रहा है। इस मामले में अंतर्राज्यीय गिरोह का बड़ा खुलासा आने वाले समय में हो सकता है।

अश्लील सीडी कांड में बरी होने के बाद भी भूपेश बघेल की बढ़ सकती है मुश्किलें

सीबीआई ने 11 मार्च को रिवीजन याचिका दाखिल की थी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अश्लील सीडी कांड मामले में पूर्व सीएम बघेल को बरी किया गया था। रायपुर जिला न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सीबीआई ने 11 मार्च को रिवीजन याचिका दाखिल की। इस पर चार अप्रैल को सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई होगी। सीबीआई ने याचिका में पूर्व सीएम बघेल को आरोपी बनाने की मांग की है। सीबीआई ने रिवीजन याचिका दाखिल करते हुए दावा किया कि मामले में नए दस्तावेजी साक्ष्य और गवाहों के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है। इसके मुताबिक केस की दोबारा सुनवाई होनी चाहिए। वहीं मामले में विशेष अदालत सीबीआई की याचिका स्वीकार करती है, तो पूर्व सीएम बघेल को कोर्ट में पेश होना पड़ सकता है। इसके साथ ही मामले की नई सुनवाई शुरू हो सकती है।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

80 साल बाद तीन अमेरिकी सैनिकों के अवशेष ढूंढ निकाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 1944 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना का एक बी-29 सुपरफोर्टेस विमान जापान में बमबारी मिशन के बाद वापस आ रहा था। तभी विमान असम के सपेखाती में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी 11 सैनिक शहीद हो गए। युद्ध के बाद अमेरिकी टीमों ने केवल सात सैनिकों के अवशेष मिले थे। अब करीब 80 साल बाद, शेष चार सैनिकों की खोज फिर से शुरू हुई और तीन के अवशेष मिले हैं। यह खोज भारत के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और अमेरिका स्थित नेब्रास्का-लिंकन विश्वविद्यालय (यूएनए) का एक संयुक्त प्रयास था। टीमों ने 2022-23 में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने मानव अवशेष और अन्य सबूत इकट्ठा किए। इसमें बटन, बूट के टुकड़े, पहचान टैग, पैराशूट के टुकड़े, सिक्के और सर्वाइवल कंपास बैकिंग शामिल थे। सैंपल के हालिया विश्लेषण ने तीन सैनिकों की पहचान की पुष्टि की है।

स्टेशनों पर भीड़ को देखते हुए एंट्री और एग्जिट के लिए कई गेट बनाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ने रेलवे की सिफारिश की है कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तहत रिडेवलप हो रहे स्टेशनों भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके लिए स्टेशनों पर आने और जाने के लिए कई गेट होने चाहिए, जिससे नई दिल्ली स्टेशन जैसी भगदड़ की घटनाएं न हों। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमृत भारत स्टेशन के तहत के देश के 1337 स्टेशनों को रिडेवलप किया जा रहा है, जिसमें 453 रेलवे स्टेशन का काम पूरा होने वाला है, लेकिन इनमें कितने पूरे हो चुके हैं, इसकी संख्या पर संशय है। पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी रेलवे पर सिफारिश की है कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तहत रिडेवलप हो रहे स्टेशनों भीड़ के प्रबंधन पर विशेष ध्यान जाना चाहिए। कमेटी के मुताबिक दिल्ली जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भीड़ मैनेजमेंट में सुधार करना जरूरी है। इसके लिए स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट के लिए कई गेट बनाए जाने चाहिए।

संयुक्त अरब अमीरात ने ईद उल फित्र की छुट्टियों का ऐलान किया

दुबई (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस साल की ईद-उल-फित्र की छुट्टियों का ऐलान किया है। यूएई सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली छुट्टियों की जानकारी देकर बताया है कि अगर रमजान का महीना 30 दिन का हुआ, तब एक दिन की छुट्टी ज्यादा मिलेगी। यूएई में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। इसके बाद ईद की छुट्टी पर भारतीय घर आना प्लान कर सकते हैं। यूएई सरकार ने करीब दो हफ्ते पहले ईद की लंबी छुट्टी का ऐलान कर उन कर्मचारियों से लिए आसानी कर दी है, जो इस दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर रमजान 29 दिन का होता है, तब ईद की छुट्टी रविवार 30 मार्च से मंगलवार 1 अप्रैल 2025 तक होगी। अगर रमजान 30 दिन का होता है तब 30वें रमजान को भी छुट्टी रहेगी। ईद किस दिन होगी, यह चांद दिखने पर निर्भर करेगा। यूएई में चांद देखने वाली कमेटी इसके लिए 28 मार्च को बैठक करेगी। हालांकि दुबई में ईद अल फित्र की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं।

बंबई हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के आरोपी न्यायाधीश निकम को अग्रिम जमानत देने से किया इनकार

धोखाधड़ी मामले में जमानत देने के लिए कथित तौर पर मांगी थी पांच लाख रुपए की रिश्वत

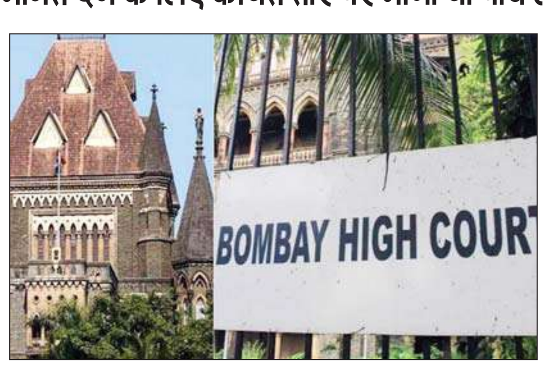

मुंबई (एजेंसी)। बंबई हाईकोर्ट ने रिश्वतखोरी के मामले में आरोपी सत्र अदालत के न्यायाधीश को अग्रिम जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने धोखाधड़ी मामले में जमानत देने के लिए कथित तौर पर पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में सतारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

न्यायिक अधिकारी से संबंधित मामला होने के कारण न्यायमूर्ति एन आर बोरकर की पीठ ने मामले की सुनवाई कक्ष में की लेकिन उन्होंने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि वह कोई राहत देने के इच्छुक नहीं हैं। निकम ने जनवरी में अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था और दावा किया था कि वह निर्दोष हैं उन्हें फंसाया गया है। वकील वीरेश पुरवंत के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि प्राथमिकी में निकम द्वारा पैसे की कोई सीधी मांग या स्वीकार करने के तथ्य नहीं दिखाए गए हैं। इसमें दावा किया गया है कि उन्हें न तो शिकायतकर्ता और अन्य आरोपियों के बीच मुलाकातों के बारे में पता था और न ही शिकायतकर्ता का जमानत मांगने वाले आरोपी से कोई संबंध था। एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक उसके पिता, जो 'सिविल डिफेंस' कर्मचारी हैं, सरकारी नौकरी देने के बहाने किसी को धोखा देने के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। निचली अदालत ने जमानत देने से इनकार करने के बाद महिला ने सतारा सत्र अदालत में जमानत याचिका दायर की, जिस पर निकम को सुनवाई करनी थी। एसीबी ने आरोप लगाया कि दो लोगों मुंबई के किशोर संभाजी खरात और सतारा के आनंद मोहन खरात ने निकम के कहने पर महिला से अनुकूल आदेश के लिए पांच लाख रुपए की मांग की थी। एसीबी ने दावा किया कि तीन से 9 दिसंबर, 2024 के बीच की गई जांच के दौरान रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई कि निकम ने किशोर खरात और आनंद खरात के साथ साठगांठ करके रिश्वत मांगी थी।

सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन पर जनता का विश्वास खत्म हुआ

सुप्रीम कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर जाताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग और इसमें सत्ता में बैठे लोगों के शामिल होने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए गए मामलों में गुजरात के पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा की याचिका खारिज कर दिया गया और कहा कि सत्ता में बैठे लोगों के धन शोधन में शामिल होने से शासन में जनता का विश्वास खत्म हुआ है और वित्तीय संस्थानों में प्रणालीगत कमजोरियां पैदा हुई हैं। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें प्रदीप शर्मा ने गुजरात पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के कई मामलों की शुरूआती जांच का अनुरोध किया था। मनी लॉन्ड्रिंग, एक ऐसी वित्तीय धोखाधड़ी है जिसमें अपराधी अपनी सम्पत्ति के अवैध स्रोत को छिपाते हैं। इस धोखाधड़ी का मकसद कालेधन को सरकार और कानूनी एजेंसियों की नजरों से छिपाना होता है ताकि इसे बिना किसी शक के इस्तेमाल किया जा सके। मनी लॉन्ड्रिंग, दुनिया के ज्यादातर देशों में एक गंभीर अपराध है। भारत में, प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों को सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम मामले में कहा कि धन शोधन के दूरगामी परिणाम होते हैं, न केवल भ्रष्टाचार के व्यक्तिगत कृत्यों के संदर्भ में, बल्कि इससे सरकारी खजाने को भी काफी नुकसान होता है। युगल पीठ ने कहा कि वर्तमान मामले में कथित अपराधों का अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ता है, क्योंकि अवैध वित्तीय लेन-देन राज्य को वैध राजस्व से वंचित करते हैं, बाजार की अखंडता को प्रभावित करते हैं और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा देते हैं। सत्ता में बैठे व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले ऐसे कृत्य शासन में जनता के विश्वास को खत्म करते हैं और वित्तीय संस्थानों के अंदर प्रणालीगत कमजोरियों को जन्म देते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पुतिन-डोनाल्ड ट्रंप करेंगे बात

दोनों नेता युद्धविराम के लिए हफ्तों में बना सकते हैं सहमति

मास्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच आज यानी मंगलवार को बातचीत होनी है। यह बातचीत रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने को लेकर होगी। एक अमेरिकी अधिकारी ने उम्मीद जताई है कि दोनों नेता यूक्रेन संघर्ष पर युद्धविराम के लिए हफ्तों में सहमति बना सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए अमेरिका और रूस के बीच बहुत काम किया है और उन्हें उम्मीद है कि युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। बता दें पुतिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह युद्धविराम के विचार से सहमत है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इसे लागू करने के तरीके को लेकर उनके गंभीर सवाल हैं, जिसे लेकर वह ट्रंप से बात करना चाहेंगे। वहीं यूक्रेन ने 30 दिनों के युद्धविराम पर सहमति जता दी है। युद्धविराम पर भले ही यूक्रेन सहमत है, लेकिन यूरोपी देश पुतिन की आलोचना कर रहे हैं कि वह बिना शर्त और तत्काल युद्धविराम पर तैयार नहीं हैं।

विपक्ष राहुल गांधी ने की न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात

दोनों देशों के रिश्तों और वैश्विक चुनौतियों पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाने और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात करते हुए दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने एवं वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की है। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने व्हाट्सऐप चैनल पर साझा की हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों के साथ ही राहुल गांधी ने कहा, कि' आज, मुझे नई दिल्ली में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री माननीय क्रिस्टोफर लक्सन से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमने अपने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, वैश्विक चुनौतियों और हमारे देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के अवसरों के संबंध में सार्थक चर्चा की। यहां बताते चलें कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन भारत में चल रहे तीन दिवसीय रायसीना डायलॉग में शामिल होने पहुंचे हैं। बतौर मुख्य अतिथि पीएम लक्सन ने सोमवार को सम्मेलन के पहले दिन संबोधित किया था।

गाजा में युद्धविराम के बाद इजराइल ने किया धमाका, कम से कम 200 लोगों की मौत

युद्धविराम के बाद गाजा में किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है

गाजा (एजेंसी)। कहने को हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम चल रहा है। इसी बीच गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस्राइल द्वारा सुबह किए गए हवाई हमलों में कम से कम 200 लोग मारे गए हैं। युद्धविराम के बाद गाजा में किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। जिसमें इतने लोगों की मौत हुई है।

वहीं हमास ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस्राइल के नए हमले युद्ध विराम का उल्लंघन हैं और यह बंधकों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। इस्राइल ने इस हवाई हमले की वजह हमास द्वारा लगातार बंधकों की रिहाई से इनकार को बताया। इस्राइल ने हमास आतंकियों पर हवाई हमलों को अंजाम देने की बात कही। वहीं इस्राइल के हमले के बाद गाजा पट्टी में स्कूल बंद कर दिए गए। हमास ने इस्राइल पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

शार्दुल को अवसर दे सकती है लखनऊ सुपर जायंट्स

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस बार आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। शार्दुल अभी जून में शुरू होने रहे इंग्लैंड के दौरे की तैयारी कर रहे हैं। हाल में घरेलू क्रिकेट में शार्दुल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऐसे में इसके आधार पर उन्हें एक टीम आईपीएल में अब भी अवसर दे सकती है। वह टीम है लखनऊ सुपर जायंट्स। उसके कई खिलाड़ी अभी चोटिल हैं। ऐसे में इस तेज गेंदबाजी ऑलराउंड र को जगह मिलने की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस क्रिकेटर को चेन्नई सपुर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स से खेलने आ अनुभव है जिसका लाभ लखनऊ उठाना चाहेगी। माना जा रहा है कि इसी कारण शार्दुल रविवार को अभ्यास के दौरान सुपर जायंट्स की किट पहने दिखे हालांकि अभी तक फ्रेंचाइजी ने अधिकारिक तौर पर उन्हें शामिल करने की कोई घोषणा नहीं की है।

मालदीव से छुट्टियां मनाकर स्वदेश लौटे रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल 2025 से पहले मालदीव से छुट्टियां मनाकर स्वदेश लौट आए हैं। रोहित चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद ब्रेक पर गए थे और परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे थे। आईपीएल के आगामी सत्र की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है और रोहित मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। रोहित आईपीएल शुरू होने से पहले स्वदेश लौटे, लेकिन एयरपोर्ट पर परिवार की फोटो लेने पर भड़क गए। दाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज रोहित आईपीएल 2025 में खेलते नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 22 मार्च से होगी जिसमें मुंबई इंडियंस अपने अभियान का आगाज 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इससे पहले हिटमैन के टीम से जुड़ने की संभावना है। रोहित आईपीएल में बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब वह टीम के कप्तान नहीं हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें रोहित एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे हैं और उस दौरान वहां मौजूद कुछ प्रशंसक और पत्रकार उनकी फोटो ले रहे हैं। रोहित के साथ उस समय उनकी बेटी समायरा मौजूद थीं और रोहित ने पत्रकारों को उनकी फोटो लेने से रोका। रोहित बेटी की फोटो लेने से नाराज दिखे। हालांकि, बाद में समायरा को कार में बैठाने के बाद रोहित ने उनकी फोटो ले रहे लोगों का एक जगह एकत्र किया और फिर उनके साथ फोटो खिंचवाई।

सर्जरी के बाद कप्तान संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स से जुड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन अंगुली की सर्जरी के बाद फेंचाइजी से जुड़ गए हैं। सैमसन बंगलुरू में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे थे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सैमसन आईपीएल 2025 के दौरान विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे या नहीं। अगर सैमसन इसके लिए फिट नहीं रहे तो राजस्थान के पास ध्रुव जुरेल के रूप में विकेटकीपर के तौर पर एक विकल्प मौजूद है। इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में पांचवें टी20 मैच के दौरान सैमसन की जगह जुरेल ने ही विकेटकीपिंग का जिम्मा संभाला था। सैमसन को इस मैच में बल्लेबाजी करते वक्त जोफ्रा आर्चर की गेंद पर अंगुली में चोट लग गई थी। वहीं, कंधे की चोट से उबरे रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के लिए शुरुआत के लिए तैयार हैं। चोट के कारण रियान दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं बन सके थे। रियान ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण से मैदान पर वापसी की थी। उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ पहली पारी में अर्धशतक लगाया था और 26 ओवर तक गेंदबाजी भी की थी। राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका अगला मुकाबला 26 मार्च को गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

खिताब बचाने की चुनौती के लिए तैयार हैं अजिंक्य रहाणे

कोलकाता (एजेंसी)। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के नवनियुक्त कप्तान अजिंक्य रहाणे का कहना है कि उनके लिए इस फ्रेंचाइजी की कमान संभालना सम्मान की बात है। केकेआर ने रहाणे को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 1.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। रहाणे पहले भी इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, लेकिन इस बार वह टीम की कमान संभालेंगे। केकेआर ने पिछले सीजन श्रेयस अय्यर की कप्तानी में आईपीएल का खिताब जीता था, लेकिन टीम ने उन्हें रिटेन नहीं किया था। श्रेयस इस सीजन पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2025 की नीलामी के शुरुआती दौर में रहाणे के नाम पर किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन इस अनुभवी भारतीय बल्लेबाज को आखिरकार उनके आधार मूल्य पर चुना गया। रहाणे छह साल बाद आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करेंगे। कप्तान के तौर पर वापसी के बारे में पूछे जाने पर रहाणे ने कहा कि उनके लिए केकेआर जैसी सफल फेंचाइजी की कमान संभालना सम्मान की बात है। उन्होंने इसके साथ ही कोच चंद्रकांत पंडित के साथ अपने संबंधों पर बात की। रहाणे ने कहा, इस शानदार फेंचाइजी का कप्तान बनना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं टीम प्रबंधन का बहुत आभारी हूं।

विदेश दौरे पर परिवार के साथ ही रहना चाहेंगे सभी क्रिकेटर, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब प्रदर्शन के बाद विदेशी दौरे में परिवार को साथ रखने पर लगा दी थी रोक

विराट की मांग पर खिलाड़ियों के परिवार की यात्रा से जुड़े नियम में हो सकता है बदलाव

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि विदेश दौरे के लिए परिवार को साथ रखने की अनुमति मिलनी चाहिये। विराट ने कहा कि वह अपने होटल के कमरे में अकेले बैठने की जगह मैदान पर तनावपूर्ण दिनों से निपटने के लिए परिवार का साथ चाहेंगे। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद विदेशी दौरे में परिवार को साथ रखने पर रोक लगा दी थी। साथ ही कहा था कि केवल 45 दिन से अधिक के दौरे पर खिलाड़ी परिवार के साथ रह सकते हैं। वह भी 14 दिन तक ही। नये नियम में खिलाड़ियों की पत्नी, बच्चे या महिला मित्र छोटे दौरों पर अधिकतम एक हफ्ते तक उनके साथ रह सकते हैं। हाल में खत्म हुई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान कोहली, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी के परिवार दुबई में थे पर वे टीम होटल में नहीं रुके और परिवारों के ठहरने का खर्च खिलाड़ियों ने स्वयं उठाया। कोहली ने कहा, 'लोगों को परिवार की भूमिका समझाना बहुत मुश्किल है। साथ ही कहा कि हर बार जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में होते तो अपने परिवार के पास वापस आना अहम होता है। मुझे नहीं लगता कि लोगों को इसका महत्व पता है। कोहली ने कहा कि परिवार के साथ होने से खिलाड़ी को मैदान पर मिली निराशा से जल्दी से उबरने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने कमरे में जाकर अकेले बैठकर उदास नहीं रहना चाहता। मैं सामान्य होना चाहता हूं। तभी आप अपने खेल को एक जिम्मेदारी के रूप में ले सकते हैं। आप बाहर की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करते हैं और फिर आप अपने घर वापस आते हैं, आप परिवार के साथ होते हैं और आपके घर में माहौल बिलकुल सामान्य होता होती है और सामान्य पारिवारिक जीवन चलता रहता है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरे लिए यह बहुत खुशी का दिन होता है। जब भी संभव होता है, मैं अपने परिवार के साथ बाहर जाने और समय बिताने का कोई अवसर नहीं छोड़ता। कोहली ने इस बात से निराश थे क्योंकि ऐसे मुद्दों से जिसका कोई संबंध भी नहीं था, वो लोग भी इन चर्चाओं में शामिल रहे हैं। इस के खिलाड़ी ने कह, 'मुझे इससे बहुत निराशा हुई क्योंकि जिनका इस मामले में कोई लेना देना नहीं था, उन्हें भी चर्चा में शामिल किया गया जिन्होंने कहा ओह, शायद खिलाड़ियों को परिवार से दूर रखा जाना चाहिए और अगर आप किसी खिलाड़ी से पूछें कि क्या आप चाहते हैं कि आपका परिवार हर समय आपके आस-पास रहे तो वे 'हां ही कहेंगे।

विराट के बाद कपिल देव ने रखी विदेश दौरे पर परिवार के साथ जाने के नियम पर राय

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के विदेशी दौरे के दौरान परिवार की मौजूदगी सीमित करने के नियम पर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। बता दें कि, कपिल देव से पहले विराट कोहली ने भी इस मुद्दे पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब खिलाड़ी दौरे के दौरान खराब दौर से गुजर रहा होता है तो उस वक्त परिवार के सदस्य की भूमिका अहम हो जाती है। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की सीरीज में 1ङ्क3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

आईपीएल से पहले एबी डिविलियर्स ने विराट कोहली को दी खास सलाह

अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने पर ध्यान देने के बजाय स्मार्ट क्रिकेट खेलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले से होगा। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपने खास दोस्त विराट कोहली को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि स्टार बल्लेबाज को आगामी सत्र में बल्लेबाजी विभाग की कप्तानी करना चाहिए। डिविलियर्स ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में कहा- विराट को इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी विभाग का कप्तान बनने की जरूरत है। उन्हें वास्तव में सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी और बल्लेबाजी क्रम में किसी तरह की गिरावट नहीं आए यह सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट क्रिकेट खेलनी होगी। इस दौरान डिविलियर्स ने कहा कि कोहली को आगामी आईपीएल में अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने पर ध्यान देने के बजाय स्मार्ट क्रिकेट खेल कर सूत्रधार की भूमिका निभानी चाहिए तथा शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज फिल सॉल्ट का साथ मिलने से उन पर दबाव कम होगा। कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन पिछले दो सत्र से उनका स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलुरु की फ्रेंचाइजी ने हालांकि आईपीएल के इस सत्र के लिए इंग्लैंड के सॉल्ट और लियाम लिविंगस्टोन, ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को अपनी टीम में लिया है जिससे डिविलियर्स को लगता है कि कोहली अधिक स्वच्छंद होकर खेल सकते हैं। डिविलियर्स ने आगे कहा- ऐसा लगता है कि विराट अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें फिल साल्ट के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपनी स्ट्राइक रेट बढ़ानी होगी।

भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव को तगड़ा झटका

डोप परीक्षण में असफल होने पर चार साल का प्रतिबंध लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर जनवरी में डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण मंगलवार को चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अर्चना ने बार-बार याद दिलाने पर भी डोप परीक्षण में असफल रहने के खिलाफ अपील नहीं की जिससे विश्व एथलेटिक्स ने यह मान लिया कि वह अपना अपराध स्वीकार करती है और इसलिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया। विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के अनुसार, जाधव का जो नमूना पिछले साल दिसंबर में पुणे हाफ-मैराथन के दौरान लिया गया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ ऑक्सेंड्रोलोन था। यह सिंथेटिक एनाबॉलिक स्टेरॉयड शरीर में प्रोटीन उत्पादन और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है। प्रतिबंध सात जनवरी से लागू हुआ। जाधव इस अवधि के लिए अस्थायी तौर पर निलंबित थी। 15 दिसंबर 2024 से उनके सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे और उन्हें इस अवधि के लिए सभी पुरस्कार, पदक, अंक, पुरस्कार और उपस्थिति राशि जमा करने होंगे। उन्होंने 25 फरवरी को एआईयू को एक ईमेल में उल्लंघन के आरोप का जवाब देते हुए कहा था, %मुझे बेहद खेद है सर। मैं आपके फैसले का स्वागत करती हूं।%

विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा, टीम का माहौल ऐसा होना चाहिए कि सभी अपनी बात रख सकें

मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की वजह से ही हम ऐसा माहौल बना पाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 में इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी करने जा रहे ऋषभ पंत ने कहा कि वह टीम में ऐसा माहौल बनाएंगे जिससे सभी खिलाड़ी अपनी बात रख सकें। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने कहा कि किसी को भी ऐसा नहीं लगना चाहिये कि वह अपनी राय को व्यक्त नहीं कर सकता। उनका प्रयास एक खुला माहौल बनाना है। नये कप्तान ने कहा हम ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां लोग आकर अपनी बात कह सकें। यह एक बहुत ही सरल विचार है। इसे कहना आसान है पर अमल में लाना नहीं, क्योंकि इसके लिए हर व्यक्ति को बहुत प्रयास करना पड़ता है। इस आक्रामक बल्लेबाज ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह काम केवल प्रबंधन ही नहीं कर सकता है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की वजह से ही हम ऐसा माहौल बना पाते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि अगर आप अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और उन्हें पर्याप्त भरोसा देते हैं, तो वे आपको किसी भी स्तर पर आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे इस समूह और प्रबंधन के पास अच्छा खास अनुभव है। एलएसजी दो बार एलिमिनेटर में बाहर होने से पहले आईपीएल 2022 और 2023 सत्र के प्लेऑफ में पहुंची थी। आईपीएल 2024 में, एलएसजी अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। उन्होंने निकोलस पूरन, एडेन मार्करम और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से टीम के नए खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने को भी कहा है। कप्तान ने कहाकेवल अपने अनुभव को युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते रहें और उस अनुभव को इस समूह को हासिल करने दें। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो हम सभी सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीख सकते हैं, और बस एक दिन में एक बार इसे आगे बढ़ाएं, बस अपना 100 फीसद दें, टीम के हित को ध्यान में रखते हुए काम करे।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की उपकप्तानी करते नजर आयेंगे अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस

कैपिटल्स ने एक वीडियो पोस्ट करके उन्हें उपकप्तान बनाये जाने की जानकारी सार्वजनिक की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के उपकप्तान के तौर पर उतरेंगे। कैपिटल्स ने एक वीडियो पोस्ट करके उन्हें उपकप्तान बनाये जाने की जानकारी सार्वजनिक की है। फाफ इस वीडिया में कहते नजर आ रहे हैं कि वक कैपिटल्स में आकर बेहद खुश हैं। इससे पहले फाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में थे।

इस क्रिकेटर ने अब तक 404 टी20 मैच खेले हैं और 40 साल की उम्र में भी दुनिया भर की लीग में अपने प्रदर्शन के कारण टिके हुए हैं। उन्होंने 383 पारियों में छह शतकों और 78 अर्द्धशतकों की मदद से 32.66 की औसत से 11,236 रन बनाए हैं। फाफ के पास आईपीएल का काफी अनुभव है जिसमें दुबई के साथ तीन सत्र की की कप्तानी का अनुभव भी शामिल है, जिसमें टीम दो सीजन में प्लेऑफ तक पहुंची। इससे कैपिल्सक को लाभ होगा। फाफ ने 145 आईपीएल मैचों में 35.99 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 4,571 रन बनाए हैं जिसमें 37 अर्द्धशतक और 96 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी के दौरान डीसी ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। इस सत्र में अक्षर पटेल टीम के कप्तान बनाये गये हैं। डीसी अपना अभियान 24 मार्च को विजाग में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

लखनऊ के लिए राहत की खबर, मयंक यादव ने नेट्स पर शुरू की गेंदबाजी

उनकी हालत में सुधार पर वापसी पर अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं

बंगलुरू (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 सत्र की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए राहत की खबर आई है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने बंगलुरू स्थिति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी अभ्यास शुरू कर दिया है। मयंक को पिछले साल चोट लगी थी और तभी से वह रिहैब से गुजर रहे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, लेकिन माना जा रहा है कि मयंक शुरुआती चरण का हिस्सा नहीं होंगे। मयंक 2023 सीजन में चोट के कारण बाहर रहे थे, लेकिन उन्होंने पिछले सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ डेब्यू मैच में ही तीन विकेट झटके थे। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अगले मैच में भी उन्होंने तीन विकेट लिए जिससे लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। हालांकि, उनका अभियान सिर्फ चार मैचों तक ही सीमित रहा क्योंकि साइड स्ट्रेन के कारण वह आगे नहीं खेल सके। पिछले सीजन ज्यादातर समय बाहर रहने के बावजूद लखनऊ फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया और मेगा नीलामी से पहले मयंक को 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया। मयंक की स्थिति में हालांकि सुधार दिख रहा है और उन्होंने नेट्स पर गेंदबाजी भी शुरू कर दी है।

वरुण चक्रवर्ती का क्रिकेट करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा, स्पिनर नहीं, बल्कि तेज गेंदबाज बनना था

विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश का उन्होंने प्रयास किया और कई 40 ट्रायल दिए पर असफल रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित करने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अपने करियर में कई बदलावों से गुजरे हैं। वरुण शुरु से क्रिकेटर बनना चाहते थे पर उनका लक्ष्य स्पिनर नहीं बल्कि तेज गेंदबाज बनना था पर उन्हें अवसर नहीं मिल पाया।

ऐसे में टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर प्रवेश का उन्होंने प्रयास किया और कई 40 ट्रायल दिए पर असफल रहे। ऐसे में निराश होकर उन्होंनें क्रिकेट को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान देना शुरु कर दिया और अंत में आर्किटेक्चर बनने में सफल रहे। इसके बाद इस क्षेत्र में नौकरी शुरु कर दी। आर्किटेक्ट की नौकरी के दौरान वह शौकिया तौर पर कंपनी की ओर खेलने लगी। इसके बाद काम में उनका मन नहीं लगा और उन्होंने एक बार फिर क्रिकेटर बनने की ठानी। उनका ध्यान तेज गेंदबाज बनने पर था जिसके लिए उन्होंन कए बार फिर प्रयास किया पर अभ्यास के दौरान घायल हो गये। इसके बाद सभी विकल्प आजमाने के बाद उनका ध्यान स्पिन गेंदबाजी की ओर गया। वह यूट्यूब से ही अनिल कुंबले और एडम जैम्पा की गेंदबाजी देख अभ्यास करने लगे। उनकी मेहनत रंग लायी। साल 2017 में वरुण ने तमिलनाडु के जुबली क्रिकेट वनडे टूर्नामेंट में 7 मैच में 31 विकेट लिए जिसकी बदौलत उन्हें तमिलनाडु प्रीमियर लीग में मौका मिला। 28 की उम्र में वरुण को आईपीएल में अवसर मिला। उन्हें 2019 में पंजाब ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा। फिर वे कोलकाता नाइट राइडर से जुड़े और उन्हें अपनी गेंदबाजी से मिस्ट्री स्पिनर कहा जाने लगा। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला।

रेलवे स्टेडियम में खेले गए क्रिकेट के दो मुकाबले इलेक्ट्रिकल और आरपीएफ की टीमों ने जीते मैच

ट्रेनसेट की ओर से बितोष, विद्याशंकर, शाश्वत व अशोक ने एक-एक विकेट लिए

बरेली (एजेंसी)।

बरेली के इज्जतनगर स्थित रेलवे स्टेडियम में अंतरविभागीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को क्रिकेट के दो मुकाबले खेले गए। इसमें इलेक्ट्रिकल और आरपीएफ की टीमें विजयी रहीं। पहले मैच में टॉस जीतकर ट्रेनसेट की टीम ने क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इलेक्ट्रिकल की टीम ने कृष्णमोहन के 39 और मुकुल के 37 रनों की मदद से निर्धारित 15 ओवरों में छह विकेट खोकर 111 रन बनाए। ट्रेनसेट की ओर से बितोष, विद्याशंकर, शाश्वत व अशोक ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में ट्रेनसेट की टीम निर्धारित 15 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 99 रन ही बना सकी। विद्याशंकर ने 34 रन बनाए। इलेक्ट्रिकल के कृष्णमोहन ने तीन विकेट लिए। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरपीएफ की टीम ने वीरेंद्र यादव की नाबाद 58 (30 गेंद) रनों की पारी की बदौलत निर्धारित ओवरों में 198 रन बनाए।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

एम.पी. ट्रांसको के 3878 आउटसोर्स कर्मियों के बनाये गये आयुष्मान कार्ड

भोपाल। भारत सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्य कर रहे पात्र आउटसोर्स कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाये जा रहे है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि भारत सरकार की इस महत्वकांयोजना का मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है। उन्होंने जानकारी दी है कि विभिन्न सब स्टेशनों और लाइन मेंटेनेन्स में कार्य करने वाले 5919 आउटसोर्स कर्मियों में से इस योजना के लिये पात्र 3878 कर्मियों के आयुष्मान कार्ड बनवाकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। सब स्टेशनों और ट्रांसमिशन लाइनों में जोखिम का कार्य करने वाले कर्मियों के लिये यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य योजना के अतिरिक्त है। इसके अलावा आउटसोर्स कान्ट्रेक्टर्स द्वारा भी किसी बीमा कंपनी, बैंक या पोस्ट ऑफिस के माध्यम से 5 लाख का जोखिम बीमा एम.पी. ट्रांसको की शर्तो व अनुबंध के अनुसार कराया जाता है।

अब तक 6 लाख 82 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

भोपाल। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया के तहत अब तक 06 लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि केवायसी प्रक्रिया के तहत नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार एक, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजगढ़ ग्रामीण में 53 हजार 236, शहर वृत्त भोपाल में 63 हजार 781, भोपाल ग्रामीण में 38 हजार 800, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300, अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 048, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993, श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 एवं भिण्ड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है।

ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह में दी जा रही लक्षणों की जानकारी, चलित नेत्र इकाई से हो रही ग्लूकोमा जांच

भोपाल। ग्लूकोमा जागरूकता एवं स्क्रीनिंग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा 9 मार्च से ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य संस्थाओं और मोबाइल नेत्र जांच यूनिट के माध्यम से 76 लोगों की ग्लूकोमा जांच की गई है। ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह में इसके लक्षणों की पहचान और उपचार के सम्बन्ध में जानकारी दी जा रही है। ग्लूकोमा अंधत्व का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। सही समय पर इलाज न होने से यह बीमारी अंधेपन का कारण भी बन सकती है। प्रारंभिक अवस्था में इसकी पहचान एवं इलाज ही इस बीमारी से बचाव है। 40 वर्ष से अधिक के वे लोग जिन्हें मधुमेह या उच्च रक्तचाप की बीमारी हो, दूर अथवा नजदीक देखने में परेशानी हो या परिवार में किसी को ग्लूकोमा रहा हो उनको ग्लूकोमा जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों से बल्ब के चारों ओर रंगीन गोला नजर आने, आंखों में तेज दर्द, लगातार सर दर्द एवं उल्टी, चश्मे का नंबर बार-बार बदलने, धुंधला दिखाई देना इस बीमारी के सामान्य लक्षण हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ग्लूकोमा, जिसे काला मोतिया भी कहा जाता है, एक नेत्र रोग है। जिसके कारण दृष्टि कमजोर होती है। यह आमतौर पर तब होता है जब आंख की पुतली के भीतर अतिरिक्त पानी का दबाव ऑप्टिक नस को नुकसान पहुंचाता है। ग्लूकोमा की जल्द पहचान न करने एवं सही उपचार न लेने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकता है। बीमारी की शीघ्र पहचान के लिए लोगों के नजदीक पहुंचकर मोबाइल वैन के माध्यम से जांच करवाई जा रही है। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण कार्यक्रम नेत्र रोगों की जांच एवं उपचार सुविधा शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध है।

प्रदेश की राजधानी भोपाल की प्रगति पर विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नए भोपाल क्षेत्र में तात्या टोपे नगर में 364 शासकीय आवास गृहों का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। राजधानी क्षेत्र की तीव्र प्रगति होगी। हाल ही में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। भोपाल शहर में ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन होते रहना आवश्यक है। भोपाल में शहरी क्षेत्र में आवास सुविधा सहित अन्य सुविधाएं भी विकसित की जा रही है।

भविष्य में भोपाल के साथ सीहोर विदिशा, नर्मदापुरम, रायसेन आदि के क्षेत्रों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र का विकास होगा। भविष्य की आवश्यकता के मद्देनजर विभिन्न प्रकार की विकसित सुविधाओं का किया जाना आवश्यक है। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य करेगी। संपूर्ण प्रदेश में समग्र विकास के लिए विकसित भारत 2047 के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप कार्य संपन्न होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल देश की सबसे सुंदर और स्वच्छ राजधानी है। यहां ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रात्रि विश्राम किया। उन्होंने और उद्यमियों एवं निवेशकों को मार्गदर्शन भी प्रदान किया। राज्य सरकार ने 'झीलों के शहर' को पांच शहरों के साथ जोड़कर विकास की नई कल्पना की है। इस प्रकार मध्यप्रदेश में भोपाल और इंदौर दो मेट्रोपोलिटन सिटी आकार लेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार भी 2047 के विजन पर कार्य कर रही है। आगामी 25 साल में भोपाल और इंदौर को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से स्वच्छता पेयजल, सीवर और रोड जैसी बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखकर योजना बनाई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में मध्यप्रदेश को विशेष अनुदान दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉग स्क्वाड में प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था संबंधी जानकारी प्राप्त की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास की सुरक्षा में लगे मध्यप्रदेश पुलिस के डॉग स्क्वॉड के श्वान लाली और डॉली को दुलारकर, डॉग स्क्वॉड के प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री निवास की सुरक्षा व्यवस्था में मध्यप्रदेश पुलिस के डॉग स्क्वॉड के श्वानों की पारी वार ड्यूटी रहती है। डॉग स्क्वॉड का मुख्यालय भोपाल में 23वीं बटालियन में है, जहां जर्मन शेफर्ड, डाबरमैन और लैब्राडोर जैसे विभिन्न नस्लों के डॉग्स को प्रशिक्षित किया जाता है। वर्तमान में देशी नस्लों के श्वान भी इसमें शामिल किए गए हैं। प्रशिक्षण में गंध पहचानना, आज्ञा पालन, अपराधियों और लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए ट्रैकिंग मुख्य रूप से शामिल है।

प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाएः शुक्ल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला संपन्न

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में देश के शीर्ष राज्यों में लाने के लिए समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिये होटल पलाश भोपाल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर उन्हें समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा दी जाए और उनका फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। इससे माताओं एवं नवजात शिशुओं को सुरक्षित रखा जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये।

टीम-वर्क, समर्पित प्रयास से स्वास्थ्य मानकों में मध्यप्रदेश बनेगा अग्रणी

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि टीम वर्क, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और एकजुट प्रयासों से मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य शीघ्र पूरा होगा। मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पीसीपीएनडीटी अधिनियम, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार को लेकर गहन मंथन किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर और विधिवत प्रदाय, समयबद्ध चिन्हाकन, नियमित जाँच और फॉलोअप सेवा से मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में सुधार के सशक्त प्रयास किये जायेंगे।

कृषि में तकनीकी क्रांति के लिए उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच सहयोग आवश्यक

भोपाल। पुणे स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में 'रिसर्च इनोवेशन फॉर कमर्शियलाइजेशन' विषय पर एक दिवसीय इंडस्ट्री-अकादमिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के एग्रीहब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा किया गया।

कार्यशाला की शुभारंभ में आईआईटी इंदौर के एग्रीहब सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रमुख अन्वेषक प्रो. अरुणा तिवारी कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सहयोग बढ़ाकर ही अनुसंधान को व्यावसायिक स्तर पर ले जाया जा सकेगा। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (आईसीटी) डॉ. अनिल राय ने अनुसंधान एवं अकादमिक संस्थान और औद्योगिक

आईआईएसईआर पुणे में हुई एक दिवसीय इंडस्ट्री-अकादमिक कार्यशाला

अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटने की आवश्यकता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं नवाचारों को मूर्त रूप देने और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक हो सकती हैं।

कार्यशाला में सी-डैक पुणे की वैज्ञानिक सुश्री लक्ष्मी पनट ने कृषि क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत बनाने के लिए मल्टी-बेनिफिशरी सहयोग को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि कृषि में तकनीक के समावेश से ही उत्पादकता में वृद्धि को स्टेबल और सस्टेनेबल बनाया जा सकता है।

कार्याशाला में शामिल हुए असम साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी गुवाहाटी के कुलपति प्रो. नरेंद्र एस. चौधरी ने एरिया-स्पेसिफिक एआई और मशीन लर्निंग (एमएस) मॉडल विकसित करने की आवश्यकता जताई। अघारकर रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. प्रशांत ढकेफालकर ने कहा कि हरित क्रांति के बाद अब कृषि में एआई और एमएल आधारित अनुसंधान से नई तकनीकी कृषि क्रांति की आवश्यकता है।

जनसुनवाई में दिव्यांग श्रीमति गुलाब बाई को प्रदान की गई ट्राई साईकिल

जनसुनवाई में 98 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की निर्देशन में मंगलवार को एडीएम भूपेंद्र गोयल, अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 98 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई में शिव नगर कॉलोनी, विदिशा रोड भोपाल से दिव्यांग श्रीमति गुलाब बाई पंथी पत्नी घनश्याम पंथी को कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह के आदेशानुसार सामाजिक न्याय निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा ट्राई साईकिल प्रदान की गई। एडीएम गोयल, मेश्राम एवं सीईओ श्रीमती तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया।

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

नींव मजबूत होगी तो आने वाला भविष्य मजबूत होगाः भूरिया

पोषण भी-पढ़ाई भी पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

भोपाल। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मंगलवार को 'पोषण भी-पढ़ाई भी' पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि हमारी नींव मजबूत होगी तो आने वाला भविष्य मजबूत होगा। सक्षम आंगनवाड़ी मिशन 2.0 के तहत पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम केन्द्र सरकार का एक महत्वाकांक्षी प्रशिक्षण कार्यक्रम है। ये प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने की क्षमता विकसित करने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि वर्ष 2023 में प्रारंभ की इस पहल का उद्देश्य बच्चों की देखभाल और शिक्षा पर आंगनवाड़ी प्रणाली पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके और आंगनवाड़ी केन्द्र को उच्च गुणवत्ता वाली बुनियादी सुविधाओं, खेल के उपकरण और विधिवत प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ एक शिक्षण केन्द्र परिवर्तित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे 6 वर्ष के कम उम्र के बच्चों (विशेषकर दिव्यांग बच्चों) के रचनात्मक, सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

प्रमुख सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कहा कि आंगनवाड़ी एक आधारशिला है और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नींव का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नींव के पत्थर किसी को नहीं दिखता लेकिन अगर वो मजबूत हो तो इमारत बुलंद होती है। बच्चों को खाना खिलाना, उनकी देखभाल करना अति आवश्यक है। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और भौतिक संबल को बढ़ावा दे रही है। श्रीमती रश्मि शमी ने कहा कि यह 2 चरणों में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका सशक्त बनेगी। उन्होंने कहा कि इसकी मॉनिटरिंग बेहतर तरीके से हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

गांव के विकास में टैक्स सखी निभा रही अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

समीक्षा बैठक में सीईओ ने की टैक्स सखियों के कार्य की प्रशंसा

भोपाल। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित टैक्स सखियों समीक्षा बैठक में सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने टैक्स कलेक्शन कार्य करने वाली दीदीयों की प्रशंसा की। गौरतलब हो जिले की ग्राम पंचायतों में अधिरोपित किये जाने वाले कर जैसे जलकर, स्वच्छता कर, सम्पत्तिकर आदि की वसूली आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।

जिला पंचायत भोपाल द्वारा नवाचार के रूप में कर वसूली करने वाली दीदीयों को 'टैक्स सखी' के रूप नियुक्त किया है। टैक्स सखी डोर-टू-डोर करदाताओं से संपर्क कर टैक्स वसूलने का कार्य कर रही है। साथ ही पंचायत दर्पण के ऑनलाइन पोर्टल पर इसकी एन्ट्री भी सुनिश्चित कर रही है। टैक्स सखी एवं करदाताओं के बीच पारदर्शिता बनाये रखने के लिए ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनो माध्यम से टैक्स वसूली सुनिश्चित की जा रही है। हितग्राही स्वयं भी क्यू.आर. कोड के माध्यम से अधिरोपित करों का भुगतान कर सकता है।

समीक्षा बैठक में एसीईओ जिला पंचायत श्री शंकर पांसे, डीपीएम डॉ. रेखा पाण्डेय, जिला समन्वयक संतोष झारिया सहित जनपद पंचायत के ब्लॉक प्रबंधक एवं समस्त टैक्स सखी उपस्थित रही। देवास जिले की टीम ने की टैक्स सखी से चर्चा

टैक्स सखियों ने बताया कि सबसे पहले हमने ग्रामीणों के बीच टैक्स कलेक्शन एवं उससे गांव के विकास में भूमिका के विषय पर जागरूकता लाने का कार्य किया। स्थानीय स्तर पर सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के सहयोग से टैक्स कलेक्शन की महत्वपूर्णता पर चर्चा कर ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित कराया।

परिवहन घोटाले का सबूत लेकर ईओडब्ल्यू पहुंची कांग्रेस

मंत्री पर की कार्रवाई की मांग, राजपूत ने किया पलटवार

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा से जुड़ा भ्रष्टाचार का मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस इस मामले को सड़क से लेकर विधानसभा तक उठा रही है। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कांग्रेस विधायकों के साथ ईओडब्ल्यू दफ्तर पहुंचे और महानिदेशक से मुलाकात कर परिवहन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। सिंघार ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग की। इस मामले की जांच में तेजी लाने की भी मांग की है।

इससे पहले कांग्रेस नेता सोमवार को लोकायुक्त के पास पहुंचे थे और इस घोटाले के दस्तावेज देकर जांच की मांग की थी। इधर, मंत्री राजपूत ने कांग्रेस नेताओं पर पलटवार करते हुए कहा कि सिंघार ने मेरी सुपारी ली है। नेता प्रतिपक्ष का चाल चरित्र और चेहरा सब जानते हैं। मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं है।

उमंग सिंघार ने राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू के महानिदेशक को शिकायत करने के बाद कहा कि सौरभ शर्मा मामले में छोटी मछलियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन बड़ी मछलियों को हाथ तक नहीं लगाया गया। पूरी कांग्रेस पार्टी इस मामले में गोविंद सिंह राजपूत और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार (17 मार्च) को हम लोकायुक्त गए थे। आज हम लोग ईओडब्ल्यू आए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से भी करेंगे शिकायत

सिंघार ने कहा कि ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। सिंघार ने कहा कि आने वाले समय में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शिकायत करेंगे। पीएम हमेशा भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, अब देखते हैं कि प्रमाण देने के बाद क्या जीरो टॉलरेंस करेंगे। मैं समझता हूं पीएम मोदी इस पर संज्ञान लेंगे। अब कुछ नहीं बचा है, प्रमाण हैं, कागज हैं, उसके बाद भी आप भ्रष्टाचारी मंत्री को रखते हो तो ये बड़े दुख की बात है। वहीं, उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री से लेकर तमाम साक्ष्य दिए हैं, इसके बाद भी जांच एजेंसियां कार्रवाई से बच रही हैं। हमने सदन में स्थगन प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग की, लेकिन चर्चा भी नहीं हुई।

हमारी पहचान औरंगजेब से नहीं, असफाकउल्ला खां से होनी चाहिएः रामेश्वर शर्मा

भोपाल। औरंगजेब की कब्र के विवाद के बीच नागपुर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कानून का नियंत्रण वहां बना हुआ है, और जो भी ऐसी हरकत करेगा, वह गलत है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी हमदर्दी असफाकउल्ला खां, अब्दुल हमीद और अब्दुल कलाम जैसे देशभक्तों के साथ होनी

चाहिए, जो देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित किए थे। रामेश्वर शर्मा ने यह भी कहा कि जो लोग औरंगजेब से अपनी पहचान जोड़ रहे हैं, वे गलत कर रहे हैं। उनका मानना है कि औरंगजेब एक लुटेरा था और रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास के कुछ चाटुकार उसे महान मान सकते हैं, लेकिन असल में महान तो छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति संभाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह जी का परिवार और गुरु तेग बहादुर जी थे। भाजपा विधायक ने कहा कि जिन्होंने उस समय औरंगजेब से संघर्ष किया और हिंदू धर्म और हिंदुस्तान को बचाया, वे सभी महान हैं। उन्होंने कांग्रेस, अन्य राजनीतिक दलों और कट्टरपंथी मुसलमानों से आग्रह किया कि वे अपनी पहचान औरंगजेब के साथ न जोड़ें, क्योंकि औरंगजेब से जुड़ी पहचान पछतावे का कारण बन सकती है।